लोल नाद

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

लेखिका: रत्ना दर

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

ॐ

महा राज्ञयै नमः

लौल नाद

लेखिका

रत्ना दर

मिलने का पता :

"पुष्कर भवन", मकान नं० 309–बी,
सेक्टर – 1, दुर्गानगर (बनतालाब), जम्मू।
दूरभाष : 592156, 595817

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन :

इस पुस्तक का कोई भी अंश किसी भी रुप में प्रकाशक की अनुमति के बिना कहीं भी मुद्रण न किया जाये।

प्रकाशक :

रत्ना दर

प्रथम संस्करण :

1000 प्रतियां

मुद्रक :

दुर्गा प्रिन्टिंग प्रैस
पुराना जानीपुर, जम्मू
दूरभाष – 539863, 533456

मूल्य :

30 रु०

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

भजन सूची

कऽशिरि लीलायि

क्र.सं.	शीर्षक	पृष्ट
	गणेश स्तुति	
1.	महागणेशा ध्यान च्योन	1
2.	गऽोर गऽोर करान (वाख)	3
	देवीस्तुति	
3.	वाय पनिञ मऽजय	4
4.	हतो संतान	7
5.	अछ म्य लोसम	12
6.	लोल नादन थवतम	16
7.	विज़ि विज़ि मऽजय	19
8.	पननिस गऽोरस (वाख)	22
9.	ज़ार बोज़तय	23
10.	हे ज़गत माता	25
11.	दूरि प्यठ बु आयस	27
12.	अर्ज़ी त्रऽवम च्यानि दरबारय	30
13.	वालिंज छम करान	33
14.	च़ह करतअ कऽच़ा सरव्ती म्य	35
15.	पनिञ गयम ज़यव म्य फरिथ	38

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

16. चह छख दीवी 40
17. रऽतिय रऽतिय करव 42
18. पनअ पनअ गयस 44
19. अज़ करव माज्य भगवती 46
20. नौ दुर्गाय जय जयकार 49
21. मऽज लगयै 51
22. अंज़रावि मऽज 54
23. क्याज़ि लागान छख 57
24. माता छमय 59
25. संतोषी माता 62
26. सोरूइ छुह यति त्रावुन 65
27. आमि दोधअ नावय तन 67
28. कोंग तह कोफूर तनि 70
29. दयावान छख 72
30. माया ज़ाल मंज़ यलह 76

शंकर स्तुति

31. होल गोम लोल च्याने 79
32. हरी हर भवसरसइ 81
33. व्यसनाविमय चयेन गुऽण 83
34. वलो लछि नावियो 85
35. यमि कष्टनि ज़ालय 88
36. जिगरस मंज़ छुम 90

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

37. दरह छस लजिमऽच़ 93
38. सतची वथ हावतम 96
39. सऽरी पऽरितव लोल 99
40. ज़िन्द ज़ुव च़रनण 102
41. शाम रूपय 105
42. रिन्द द्राम गिन्दने 108
43. जाम लऽगिथ श्याम सौन्दर 110
44. रक्षा कर हमारी 112
45. रोज़ रोज़ बोज़ म्यऽन 114
46. वलाह म्यानि कृष्ण 117
47. वनान ओस वीर 119
48. दुख भरी इस दासी का 124

गीत

49. ए मयनि दिल-ए-जान 127
50. बे आर यारह चेय बु 130
51. क्या सपुद बालयारस 132
52. वलो दिलभर म्याने 134
53. लोकचार याद प्योम 136
54. मयऽन द्री हसह छ्य हे 139
55. यि छुह वक्तुक रफतार 141
56. हंग मंग तंग गय 144
57. बूज़िव बु वनहोव नमतऽकि शार 150

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

लेखिका एक सुयोग्य पिता तथा माता की ज्ञानवती पुत्री है। उसके पिता तथा माता का हाल ही में देहान्त हुआ है। इसका पिता **"अर्जन नाथ रैना"** तथा माता **"तुलसी"** हरमैन-शौपयान-क० के निवासी थे। इस विस्थापित दशा में लेखिका अब जम्मू शहर के दुर्गानगर, सैक्टर एक में अपने परिवार के साथ रहती है। वस्तुतः स्वर्गीय विष्णु राज़दान, भुगाम (कुलगाम-कशमीर) लेखिका के नाना थे। वह ऊंचे शिखर के गुणमात तथा संत थे।

रत्ना जी उसी बीज का एक पौदा है।

डाक्टर बालकृष्ण रैना
प्रोफेसर
4/4 पणडोका कालोनी
पलोरा, जम्मू

फरवरी 14, 2001
जम्मू

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

दो शब्द

जिस किसी भी पुस्तक की रचना होती है उस में प्रारम्भिक ''दो शब्द'' का एक लेख मिलता है। प्रत्येक प्रकाशन में परिचयात्मिक रूप पर यह ''दो शब्द'' लिखने की परम्परा है। ऐसे लेख किसी नामधारी प्रसिद्ध व्यक्ति अथवा महापुरुष द्वारा रचे हुए होते हैं। परन्तु यहाँ मैं लेखिका स्वयं इन ''दो शब्दों'' को प्रकाशित करती हूँ तथा अपनी रचना के मूल प्रेरणा का परिचय देती हूँ।

यह वास्तव में है ही ''दो शब्द'' बहुत ही मीठे ''दो शब्द''! एक शब्द ''माता'' दूसरा ''पिता'' ! दोनों की शक्ति का बहुत महत्त्व है। जहाँ ''माता'' एक सुहावनी छाऊँ है वहाँ ''पिता'' एक मीठी धूप है। एक गृहस्थी के लिए संसार में माता तथा पिता से बढ़कर कुछ भी नहीं है। यदि माता आदि है तो पिता अन्त है। माता के समान कोई तीर्थ नहीं है। एक

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

सन्तान के लिए पिता की स्थिति वेदों से भी बढ़कर है। जो सन्तान माता तथा पिता का आदर करते हैं उनके इहलोक एवं परलोक का सुधार होता है। उनको वेद पढ़ने की आवश्यकता नहीं ! ''माता'' तथा ''पिता'' ही सन्तान का धर्म है वहीं उनके तीर्थ हैं। कहा भी गया है कि :-

''नास्ति मातृसमं तीर्थं पुत्रानाम तारणाय च
हितायात्र परत्रार्थं यैस्तु माता-प्रपूजिता ।
वेदैर-अपि च किं पत्र ! पिता येन प्रपूजितः
एष पुत्रस्य वै धर्म-स्तथा तीर्थं नरेष्विह ।।''

जिस सन्तान पर माता अथवा पिता का कोप हो उस का जन्म असफल तथा विनाशकारी होता है। उसकी वही दशा होती है जैसे प्रकृति के विरुद्ध आचरण करने वालों की होती हैं। प्रत्येक पुत्र तथा पुत्री को चाहिए कि माता और पिता का आदर करे। उनका सम्मान करे। उनकी सेवा तथा अर्चना करके सन्तान धर्म का पालन करे तथा उनका आशीर्वाद

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

प्राप्त करके इस लोक में कुशल मंगल रहे और परलोक में स्वर्ग के अधिकारी बने । यही उनके सुख तथा सम्पदा का मूलस्रोत है।

जिस प्रकार सामूहिक रूप में प्राणी अपने निर्माता की शक्ति के वैभव को प्रकट करना अपना परम कर्त्तव्य मानते हैं उसी प्रकार व्यक्तिगत रूप से भी प्रत्येक सन्तान का यह मुख्य कर्त्तव्य माना गया है, कि वे अपने जन्मदायक एवं पोषक जननी एवं जनक की सेवा एवं अर्चना करके सदा उनका आशीर्वाद प्राप्त करते रहे। माता तथा पिता के समान आह्लादकारी व्यक्ति इस संसार में प्रायः कोई नहीं होता है।

मैं ने अपनी माता के देहान्त के उपरान्त ही भजन लिखने आरम्भ किये तथा पिता के मृत्यु पश्चात् मेरी इसकी और यह भावना बढ़ गई अतः मैं ने ''माता'' तथा ''पिता'' को ही केन्द्र बिन्दू मानकर उनके ही महत्त्व को दर्शाया। इसी भावना से मैं यह पुस्तिका भी अपनी स्वर्गीय ममी (तुलसी) तथा स्वर्गीय

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

पापा (अर्जन नाथ रैना) को समर्पित करती हूँ।

यदि थोडी सी भी मात्रा में सन्तानों को अपने अपने माता पिता के प्रति कर्त्तव्य निबाने में मेरे विचार सहायक होते हैं तो मैं अपने परिश्रम को सफल समझूंगी।

इन शब्दों के अतिरिक्त जहाँ मैं अपने स्वर्गीय माता पिता की ऋणी हूँ वहाँ मैं स्वामी पुष्करनाथ कौल ''पोशमोत'' की भी अभारी हूँ, जिन्होंने इस विषय में अपने भाव प्रकट करके मुझे पूरी प्रेरणा दी और मेरे इन ऐसे वैसे भजनों को स्वीकृती प्रधान की। मैं अपने पति श्री पी. इन. दर की भी अभारी हूँ, जिन्होंने इस पुस्तिका के छपने में अपने तन, मन तथा धन से मेरी सम्पूर्ण सहायता की ।

– रत्ना दर

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

1 – भजन

महागणेशा ध्यान च्योन धारय लो ।
गनपतयार दन्डवथ प्रारअय लो ।।

1) पार्वती माज्य हन्दि यछ़ाय पुत्रो ।
लोलि मंज़ करयो हो तय हो ।।
नमस्कार भविनय बारम्भारय लो ।।
महागणेशा ----------।।

2) रोज़ान छुख चह गण्शिबल ।
भासान छुख असि नज़रन तल ।।
गगरस प्यठ छुख स्वारय लो ।।
महागणेशा ----------।।

3) ईकदन्त लम्बोदर चेय छिइ वनान ।
डेडि तल गोड़ छुख चई विराजमान ।।
सेन्दरा मलिथ बेशुमारय लो ।।
महागणेशा ----------।।

4) गुडअ छि चेय कुन अस्तुती करान ।
सयद्ध छि गछ़ान अदह मनि कामना ।।
लऽड़ तह पूअरि अम्बर खारय लो।।
महागणेशा ----------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

6) आदिदीवस लगहा बु नावसई ।
व्यनपोश लोल सान भावसई ।।
धूप दीप हयथ पतह लारअय लो ।।
महागणेशा ----------।।

6) आशाय आईसय डेडि च्यानि तल ।
बोज़तो फरियाद म्योन जल जल ।।
ज़ार बोज नतह गछ़य मारय लो ।।
महागणेशा ----------।।

7) वलह दिमव प्रदिक्षण गणिशेबल ।
सु करान मुशकिलन पानय हल ।।
गनटाठि च्योन छुम अमारय लो ।।
महागणेशा ----------।।

8) कन थव म्यानेन लोल नादन ।
"अन्जान" पयेमच़ तल पादन ।।
गनच़ोदश करय ज़ारपारय लो ।।
महागणेशा ध्यान च़्योन धारय लो ।
गनपतयार दन्डवथ प्रारअय लो ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

2 – वारव

गडोरह गडोरह करान घर घर फीरस,
हर घर म्यूलुम कुनुय जवाब।

गछ़ घरह पानस मुच़राव मनस,
द्वारि–बर तह पानय तस ज़ानरव।

वोन दि श्यामस या तस रामस,
यि केंछ़ाह ड़ेंशरव ति सिर थव पानस।

योदवै तगी तह रटुन मंज़ मनस,
बिहिथ छुइ अति च़्ये सऽत पानस।

परज़नावुन छुइ बिहिथ ननिवान,
वानस प्यठ इशान ।

अथस मंज़ हय्थ त्रकर तह परमान्
तोलान कर्मफल ज़मानस ।

गनीमथ ज़ान वेलह महकर च़ेर पानस,
करुस गुलि ज़ह गन्डिथ नमस्कार थानस
ध्यव अन्ज़ानस त्रावि रछ़ा बानस ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

3 – भजन

[यह लीला मैने अपनी जन्म-दाता माँ के लिए लिखी है, जो अब इस संसार में नहीं हैं। मैं भगवान विष्णु जी से प्रार्थना करती हूँ कि मेरी माता श्री को स्वर्ग में जगह दे!]

वाय पनिन मअजय क्याज़ि चजहम ।
हाय अकि लटि वोन्य बुथ हावतम ।।

1) क्षण क्षण मअजय छम च्येन कल ।
अख साथा यितम जल जल ।
च्यानि यिनअ लोकचार बेइ यियहेम ।
वाय पनिन मअजय ------।।

2) याद छम पयवान चअनि नालमअति त प्यार
मेलान ज़न ओसुम बोन्य शेहजार ।
योतामथ च़ मअज म्य नरव आसहऽम ।
वाय पनिन मअजय ------।।

3) सीनह आम फटनस होल छुम गोमुत ।
नालमअति रटहथ सन छुम गोमुत ।
तमि असवनि मोखह कथ कर तम ।
वाय पनिन मअजय ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

4) कोताह ओसुम चे पय्ठ मअज नाज़ ।
कनन मंज़ छम गछान च्येन आवाज़ ।
अरमान अन्दरइ ह्यथ द्रायहम ।
वाय पनिन मअजय ------।।

5) कौनह छरव मअज म्येन क्रख बोज़ान ।
फोर चटनस म्यह झेरह हय आम ।
मच़ छस गअमच़ म्यह सनमुख यितम ।
वाय पनिन मअजय ------।।

6) सीरबाज़ मअज्य बु कसइ भावह हाल ।
मअज रावअन छाह सहलइ स्वाल ।
अथह पननि बेइ न्यामच़ खयावतम ।
वाय पनिन मअजय ------।।

7) अऽकल मअज ज़र ज़र अऽसम ।
गाटअजि मअज रहभर अऽसम ।
तसुन्द हिय्व तीज़ छा का'सि वनतम ।
वाय पनिन मअजय ------।।

8) च्यानि दोधह तनि भलाय लगहाय ।
छ़ायन त ग्रायन बेयि वुछहाय ।
अचानक ब्रोंह कनि पअदह गछ़तम ।
वाय पनिन मअजय ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

9) सौन सन्दिस खअसिस दोध फिरहाय ।
रोप सन्दिस थालस बत शेरहाय ।।
योदवै च़ मअज म्ये बेइ यियहम ।
वाय पनिन मअजय ------।।

10) यलि यलि म्यानि घरि बोज़खव शअदि ।
सहायतस रूज़िज़ेम पानय मऽज ।
विज़ि विज़ि यिथ म्ये वथ हावतम ।
वाय पनिन मअजय ------।।

11) यमि विज़ि मअज म्ये रूत आसय्म ।
तमि विज़ि मअज म्ये निश बासतम ।
पननिअ हटि कारन वननावतम ।
वाय पनिन मअजय ------।।

12) दोख त क्रूठ संसार यिति त्राविथ ।
डय्क बऽढ़ शेरस ब्रोंह द्रायख ।
माघ मासस मंज़ प्राण त्राविथम ।
वाय पनिन मअजय क्याज़ि चज़हम।
हाय अकि लटि वअनि बुथ हावतम।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

4 – भजन

हतो संतान च़ह कन थव वार ।
मऽलिस माज्य कर नमस्कार ।।

1) मऽज तह मोल गव भगवान ।
करुन गछ़ि माज्य मऽलिस प्रणाम ।
च़ह प्रावरव थव आच़ार वेच़ार ।
मऽलिस माज्य कर ------।।

2) करि युस मऽलिस माज्य जय ।
तस अद टोठान पानय दय ।
मऽलिस माज्य हियुव न काँह दगिदार ।
मऽलिस माज्य कर ------।।

3) यस रोज़्य खऽोश पनुन मोल मऽज ।
तस छु परमात्मा रोज़ान रऽज़ ।
प्रावान अद छु रऽति रऽति कार ।
मऽलिस माज्य कर ------।।

4) सिवा मतलब छु अरव मोल मऽज ।
योदवै काँसि प्यठ आसि न रऽज़ ।
तोति मा वाति करुन निरादार ।
मऽलिस माज़्य कर ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) हतो संतान च़ अख कथ बोज़ ।
कर्त्तव्यन पन्नयन पय्ठ रोज़ ।
मोल मऽज गछ़ि न भासुन बार ।
मऽलिस माज्य कर ------ ।।

6) करि क्या तस मंन्दर पूज़ुन ।
युस न दिय माज्य मऽलिस प्रदिक्षण ।
दुऽध गलि नख़ वालतो वार वार ।
मऽलिस माज्य कर ------ ।।

7) च़ गन्ड़ गुलि माज्य मऽलिस कुन ।
दपुस गल्ती म्ये गछि बरवशुन ।
च़ छुख माज्य मऽलि सुन्द कर्ज़दार ।
मऽलिस माज्य कर ------ ।।

8) रछिऽ युस मऽलिस माज्य हुन्द मन ।
भगवान तऽसि रोज़ान प्रसन्न ।
कति बनि मोल मऽज यि छु शेहजार
मऽलिस माज्य कर ------ ।।

9) छलऽन गछ़न मऽलिस माज्य पाद
करुन गछ़ि न तिमन वाद विवाद
माज्य मऽलिस सऽीत थव समच़ार
मऽलिस माज्य कर ------ ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

10) गनीमत ज़ान वुनिकेन वेला ।
योदवै चे़ह छुइ मऽजा मोला ।
ढ़ेक मुच़रिथ करुख सत्कार ।
मऽलिस माज्य कर ------ ।।

11) हतो संतान सुपात्र च़ह बन ।
मऽलिस माज्य मह कर हऽन द्रऽन ।
खसी तति हान गछ़रव मा खार ।
मऽलिस माज्य कर ------ ।।

12) पायस प्यतो हतो संतान ।
यि शास्त्र वनान ति'च़ह मान ।
धर्म त कर्म यिवान छु बकार ।
मऽलिस माज्य कर ------ ।।

13) नौवन रय्तन च़ गंबस मंज़ ।
माज्य रोटनख च पानस संग ।
करुन गछ़ि माज्य जय-जयकार
मऽलिस माज्य कर ------ ।।

14) मऽज कम कम सितम व्यतरान ।
माज्य मा वात्य खारऋ हान
करुन गछि माज्य रुत व्यवहार
मऽलिस माज्य कर ------ ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

15) मऽज छह शुरिस पय्ठ ज़ुव गालान ।
ललवान खूनिऽजिगर चावान ।
मोल मऽज्य ओबरै त च़्योन दस्तार ।
मऽलिस माज्य कर ------ ।।

16) मऽज छह गज़ त गिरह मेनान ।
कर सनाह बढ़ि यि म्योन संतान ।
च़ह हा छुख मऽलिस माज्य मुक्तहार ।
मऽलिस माज्य कर ------ ।।

17) खानमोल म्योन मा आसि खूच़मुत ।
सुलि च़ीर मा आसि काँह आमुत ।
संतन त साधन करान ज़ारपार ।
मऽलिस माज्य कर ------ ।।

18) माज्य वुछनोव अज़ साथा जान ।
वीदवान गुणवान बनय्म संतान ।
मऽजी छह करान हदरोस प्यार ।
मऽलिस माज्य कर ------ ।।

19) संतान म्योन द्रामुत दफतर ।
अज़ या पगाह मा बनेम अफसर ।
सुलि सुलि बतफोला थवस तैयार ।
मऽलिस माज्य कर ------ ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

20) वारवति रूज़िन म्योन संतान ।
नरव फयोक रोज़ेम बुजरस ताम ।
दोछ़ि दोछ़ि आही मऽज छह करान ।
मऽलिस माज्य कर ------।।

21) ज़ेनुवुन त गाटुल म्योन संतान ।
अमिस गछ़्य्म आसभ ज्यूरयाह जान ।
कोरिमालेव कोरमुत यकरार ।
मऽलिस माज्य कर ------।।

22) पोफह मासह यज़मन बायि नच़ान ।
थेऽकि थेऽकि धूम धाम मोल मऽज करान।
भगवानन सेद्धि बुथि दयुतनम तार ।
मऽलिस माज्य कर ------।।

23) कर्त्तव्यन पननयन मो च़ ढ़ल ।
मोल मऽज्य त्राविथ वनि मो च़ल ।
मऽलिस माज्य थव च़ वेकार ।
मऽलिस माज्य कर ------।।

24) ज़िन्दगी हुन्द छुय बोढ़ इम्तिहान ।
करख योद पास हतो संतान ।
बनरव कर्मवान लगी तति तार ।
मऽलिस माज्य कर ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5 – भजन

अछ़ म्ये लोसम प्रऽरि प्रऽरी ।
माज्य हऽरी छा खबर ।
वऽनि म्ये दितमय च़वापअरी ।
माज्य हऽरी छा खबर ।।

1) तुलनऽवथस कम कम सफर ।
ज़ऽनिथ च़्य लोगुथ बेरखबर ।
कऽर गमव म्य गिरिफ्तऽरी ।
माज्य ----------।।

2) नतह छय च़्य मऽज सऽरइ खबर ।
अनुगृह करुम बेइ रऽच़ नज़र ।
कासतम वन्न गम म्य सअरी ।
माज्य ----------।।

3) वअनि वअनि गयम म्ये ज़्यव ति क़अज़ ।
छस बु मअज सअज़ त बअज़ ।
बोज़ म्ये फरियाद राभब्रारी ।
माज्य ----------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

4) छुम न मऽज्य वज़ म्य ताब ।
गोमुत म्य सऽर प्यठि छु आब ।
कर म्य दासन मंज़ शुमारी ।
माज्य ----------||

5) यूत मतह करतम ज़लील ।
छस गअमच़ कअच़ा अलील ।
दूर करतम लाचारी ।
माज्य ----------||

6) नबज़ रटतम पानह मऽज ।
बलहनम सअरी म्य दअदि ।
दूर करतम बेकरअरी ।
माज्य ----------||

7) योदवै छस बु कर्महीन ।
माज्य वात्याह रटुन कीन ।
छस बु पानय शर्मसअरी ।
माज्य ----------||

8) पानह रटतम दामनस तल ।
करत मअज म्येन मसलह हल ।
त्रावि मअज मलाल सअरी ।
माज्य ----------||

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

9) अज़ म्ये वोनमय बेइ च बोज़ ।
कर च़ केसस पानय खोज़ ।
बलरावतम वञ दऽद सअरी ।
माज्य ----------||

10) वछि वालिंज हाल भोवमय ।
ज़रव्म जिगर होवमय ।
कासतम वञ दुश्वारी ।
माज्य ----------||

11) छस बु च्यानी संतान ।
खअरथम म्य क्या चेह हान ।
शुरि छाह आसान हिविइ सअरी ।
माज्य ----------||

12) अंध रातन अंज़ कोरमय ।
दोःख म्य सअरी भाविमय ।
आर यियनय छरव च़ अऽरी ।
माज्य ----------||

13) आवलनिस हेनह बु आयेस ।
यनह च़ह मऽज्य पानह द्रायरव ।
भ्रमऽच वुनर छम चोपअरी ।
माज्य ----------||

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

14) छय चे योदवै मअज मंज़ी ।
करतअ दस्कत म्यानि अंज़ी ।
अऽस छि आमअति शरण सअरी ।
माज्य ----------।।

15) छु युथ र्सिय सुन्द प्रकाश ।
तिथुय त्रावतम ज्ञान गाश ।
ज़न्म युथ मोकलन म्य सअरी ।
माज्य ----------।।

16) अन्ज़ान प्रारान ड़ेडितल ।
नज़रि सानी कर म्य जल ।
वऽ छु च्ये ताऽ करतअ यऽरी ।
माज्य ----------।।

अछ म्य लोसम प्राऽरि-प्राऽरी ।
माज्य हऽरी छा खबर ।
वऽनि म्य दितमय च़वापऽरी ।
माज्य ----------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

6 – भजन

लोल नादन थवतम घोश मअजय ।
बु हय लागय च़अरि च़अरि पोश मअजय।।

1) बु हय आईसय हच़रलद ड़ेड़ि च्यानि तल ।
छम म्य आशा द्यव च़लेम सअरी गांगल ।
खोफ ज़दसई कासतम खोफ मअजय ।
लोल नादन ----------।।

2) छस बु चअनिस खदमतस च़ीर वातान ।
तवय शरमंद छसना हर सातन ।
छस बु नादान म्य मतय रोश मअजय ।
लोल नादन ----------।।

3) दज़मअच़ छस नरकनिस नारस मंज़ ।
कमि कशाल आयसय दरबारस मंज़ ।
मदहोश छस अनतम होश मअजय ।
लोल नादन ----------।।

4) तलय त्रावतम लोल सान अख नज़रा ।
बेमारस हेतय वञ पानह खबरा ।
च्यानि दादे छसय मदहोश मअजय ।
लोल नादन ----------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) मतय वुछतह मऽज मयानेन र्कमन कुन ।
तयुथ दिम ज्ञान युथ बु लगह धर्मस कुन ।
ज़गतस सान मेति करतह रअछ मअजय ।
लोल नादन ----------।।

6) छस बु मंज़ वति पेठ ढ़ंग गअमअच़ ।
छुम चे़रि हुन्द हिव म्य रंग गोमुत ।
प्रेम ज़ल मंज़ चावतम त्रेश मअजय ।
लोल नादन ----------।।

7) मेति लायमय वारयाह नाद मअजय ।
अथरोठ करिथ पानय म्य साद मअजय ।
म्योन आलव कोरुइ नय खोश मअजय ।
लोल नादन ----------।।

8) दर जवानी छसना बर गअमच़ ।
हनि हनि छस ज़न व्यस्मर पयेमच़ ।
बु हय च्यानी बागच पोश मअजय ।
लोल नादन ----------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

9) दिम वोपाया युथ बु बन नारद्राव सौन ।
क्षण क्षण मअज युथ बु गय्व चअनि गोण।
दिम शब्दा युथ म्य यिय जोश मअजय ।
लोल नादन ----------।।

10) यिनय रटरव म्योन मलाल मअजय ।
म्य हाय कोरमय पान चे़ हवाल मअजय ।
खोश रोज़तम युथ हय बु तोषह मअजय ।
लोल नादन ----------।।

11) लोल बदनस मऽज म्य अऽलि गअमित ।
कमि कमि रंग जामह छिम नअलि गअमित
"अंज़ान" छस त्रावान वोश मअजय ।
लोल नादन ----------।।

अँधेरी हैं ये राहें, जाना मुझे किधर है। पहचानूँ मैं कैसे मंज़िल मेरी जिधर है।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

7 – भजन

विज़ि–विज़ि मअजय लायय नाद ।
लोल सान आईसय करनि फरियाद ।।

1) म्यूलमुत निशान अंथ मंज़ रोवुम ।
तन मअजय म्ये क्या प्रोवुम ।
दुबार नाय रावेम चेह सऽत छुम वाद ।
लोल सान ---------- ।।

2) थोद मअजय तुलतम छस हच़रलद ।
कर्मव करनावस वद वद ।
रच़ वथ हावतम त थावतम याद ।
लोल सान ---------- ।।

3) रंग रंग मअजय छस बु अन्जान ।
कमि अन्द लबथ दितम पऽरिज़ान ।
मअज्य मतय करतम म्य बरबाद ।
लोल सान ---------- ।।

4) राह क्या खोरथम छरव न बोज़ान ।
तलय वन्य दितम मअज्य रच़रुक ज्ञान ।
कासतय मऽज्य म्ये भूमि पेंठ व्याद ।
लोल सान ---------- ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) पयेमच़ परन छसय तल पादन ।
कन थव म्यानेन लोल नादन ।
अशवानि सऽतय्न छलय मअज्य पाद ।
लोल सान ---------- ।।

6) शरण छसय आमच़ स्यठा मजबूर ।
यिनय जाँह करहम अछव निश दूर ।
दितम दर्शन करुम आज़ाद ।
लोल सान ---------- ।।

7) वार वुछतम त खुर म्ये कासतम ।
योदवै खोच़र छुम दूर करतम ।
सोज़तम बोगाह बु गछह आबाद ।
लोल सान ---------- ।।

8) मन छुम चंचल बेइ परेशान ।
शक्ति दितम मअज भक्ति सान ।
ध्यान च्योन धारय माता म्य साद
लोल सान ---------- ।।

9) मंज़ गोफाय छुइ च्योन दरबार ।
नमस्कार अऽसिनय भारम्बार ।
र्दशन च्यानि छु दिल गछान शाद ।
लोल सान ---------- ।।

CC-0. Bhushan Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

10) दिवान छख भक्तेन पानह व्यस्तार ।
करान छख तिमन सारिनइ वोपकार ।
मयानेन न्यायन दितय वज़ दाद ।
लोल सान ---------- ।।

11) दूरि प्यठ भक्ति चेय निश वातान ।
थक थक दम दम हेरन खसान ।
जय माता जय माता लायान नाद ।
लोल सान ---------- ।।

12) होल गोम च्यानि दादि मोख हावतम ।
सीनह आम फटनस अथह डालतम ।
"अन्ज़ान" छस मअज दिम आर्शीवाद ।
लोल सान ---------- ।।

"काश मेरे प्रभु मेरे पास आते ।
प्रसन्नता के मारे हम फूले न समाते।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

8 – वाख

पननिस गुऽेरस दप्योम केंछाह दितम राय,
तअमि दोपनम तोरह "सु" यस पानय
टोठि तस क्या छु परवाय ।।
यसन्दिस मनस अन्दर "सु" रोज़ि,
तस क्या छि छाँडअनि कासिहँज़ राय ।।
युस अखा गज़रावि तसन्ज़ माय,
तस छु हर जायि मोकलन पाय ।।
अगर कांसि आसन ज़न्मन हन्दि पाप,
अकुइ शिवनाथ छुस शीनस ताप ।।
तऽस शरण गछ़ छुई अद मोकलन पाय,
युस पुरष लोलह करेस नमस्कार,
तस दिय "सु" पानय साऽरिसई तार ।
तेलि कमि बापथ छख छाँडान नाव ।
तसुन्द निशान यस न ज़ांह रावि,
तस छु करान "सु" मनस अन्दर जाय ।
योदवै मनस मल वथरावि,
"अन्ज़ानी" मंज़ कोरुम वक्ता ज़ाय ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

9 – भजन

ज़ार बोज़तय मअजय ।
आइसय बु ड़ेड़ि च्यानि तल ।
बर मुच़रावि मअजय ।
मोख पनुन हावि जल जल ।।

1) गीर करहस बु पापव ।
रटऽस बु कमव शापव ।
पाप शाप कास मअजय ।
मुश्किल कर म्योन हल
ज़ार बोज़तय मअजय ----।।

2) बरस तल आयसय गदा ।
बोज़ान छख ना सदा ।
कअच़ा रूज़म म्ये मअज ।
अन्दवन्द च्येनी कल ।
ज़ार बोज़तय मअजय ----।।

3) वनिमय कअतिया ज़ार ।
अख रछ़ा यियतनय आर ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

ज्ञान वुज़मल मअजय ।
त्रावतम छलह दिलस बु मल ।
ज़ार बोज़तय मअजय ----।।

4) लागय भाव पम्पोश ।
नादन थव तम गोश ।
सविकार करि मअजय ।
भावय ही तह मसवल
ज़ार बोज़तय मअजय ----।।

5) घटि मंज़ त्रावतम गाश ।
यिथकनि छु र्सिय प्रकाश ।
शिहिज नज़रा मअजय ।
त्रावतम द्यव बेमार बल ।
ज़ार बोज़तय मअजय ----।।

6) "अन्ज़ान" वायान साज़ ।
साज़स अन्दर राज़ ।
कष्टनि यमि ज़ालअय ।
मोकलावतम जल जल ।
ज़ार बोज़तय मअजय ----।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

10 – भजन

हे ज़गत माता दितम र्दशुन ।
र्वशुन करहाय लोल पोशन ।।

1) दितम म्य मअज पननि स्मृण ।
सात सातय गेवय च्यानि गुण ।
च माता रोज़ म्य प्येठ प्रसन्न ।
र्वशुन करहाय लोल ------।।

2) सनमोख वुछहथ यि छुम तमा ।
नालमतिं रटहाथ अख लम्हा ।
छोञ छोञ करान यित रोञिअ जामन ।
र्वशुन करहाय लोल ------।।

3) लगहाय हअरि चेइ पअरि पअरि ।
बासतम मअज म्य चवापअरि ।
च्य सिवा मन म्य छुम तड़पन ।
र्वशुन करहाय लोल ------।।

4) माता च छख कल्याणकारी ।
अऽस छि आमिऽत शरण सअरी ।
च्यानि र्दशन खोश गव मन ।
र्वशुन करहाय लोल ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) पर्बत छरव अष्टादशबोज़ा ।
च़इ छरव आसान नौर्दुगा ।
शक्ति शिवस सीत छरव स्मृरण ।
र्वशुन करहाय लोल ------।।

6) नमस्कार अऽसिनय जाय जाये ।
अन्दवन्द पूशनम च्योन साये ।
लोल च्यानि करय बु च्योन कीर्तन ।
र्वशुन करहाय लोल ------।।

7) शुर यिथकनि छु माजि यिवान ।
तमिस माह वाति खारञ हान ।
तिथय पअठि गेवान "अन्ज़ान" वुनिकेन ।
र्वशुन करहाय लोल ------।।

कली बनकर तेरे ही बाग में खिलूँ।
फूल बनकर तेरे ही पाँऊ से छिँऊ।
हार बनकर तेरे ही गले में पड़ूँ।
प्रीत बनकर तेरे ही मन में मैं बसूँ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

11 – भजन

दूरि प्यठ बु आयस लारान ।
हारान खूनि बारान ।।

1) ज़गतस छख अफसर ।
मुच़रावतय म्ये दारि–बर ।
बरस तल छसय प्रारान ।
हारान खूनि बारान ------।।

2) योज़ी तह बेई ज्ञानी ।
ध्यान धारान च्योनुय ।
च़ेय पत पत लारान ।
हारान खूनि बारान ,------।।

3) च़ह त्रेन भवनन स्वामी ।
दूर करतम खऽमी ।
बु वेरि च़्यानि पोश च़ारान ।
हारान खूनि बारान ------।।

4) च़ह छख अन्तरयामी ।
सु कुस आसि युस न मानी ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

राक्षसन छरव मारान ।
हारान खूनि बारान ------।।

5) यिरवऽनि छस बु नावे ।
मअज पान बोठ म्य हावे ।
यिर गअमतेन च तारान ।
हारान खूनि बारान ------।।

6) लोल आयस च्योन दरबार ।
बोलवअनि छि जानावार ।
दीदारस प्रारान ।
हारान खूनि बारान ------।।

7) वेरि च्यानि वेनअ चोरमय ।
वथरह वथरह शेरि लोगमय ।
गोड़करेन रोनिअ शेरान ।
हारान खूनि बारान ------।।

8) चह दीवी छरव दयावान ।
मायि यिम चे निश यिवान ।
छरव तिमन व्यस्तारान ।
हारान खूनि बारान ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

9) सोतेमअच़ बु चअंगिस सोयथ ।
जल हाव म्य पज़रऽच वथ ।
क्रेंज़िलिअ पोश छस बु सारान ।
हारान खूनि बारान ------।।

10) सोरान वअनि बु आयस ।
श्रोकनयन ज़न बु च़ायस ।
"अन्ज़ान" पान मारान ।
हारान खूनि बारान ------।।

मैंने ईश्वर तेरा क्या बिगाड़ा,
गम देकर हम से मुँह मोड़ा।
घायल पड़ी तड़पती हूँ अकेली,
खिल जाएगी कब ये चमेली।
राह देखूँगी कब तक मैं तेरी,
प्रभु मेरे मुझ पे क्षमा करना।
कभी न कभी हमको है मरना,
दासी हूँ तेरी, तेरा दर्शन है करना।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

12 – भजन

अंज़ी त्रऽवुम च्यानि दरबारय,
करि घोरा तथ मऽज वारय ।।

1) बूज़मुत छुम च़ये तान्य छु सोरूइ ।
तमी आईसय हेथ गोब बोरूइ ।
ओश हारान ड़ेड़ि तल बु प्रारय ।
अंज़ी त्रऽवुम च्यानि ------।।

2) यिनय लागरव मअज बेर्दी ।
खून सऽतयन लीछमय म्य अंज़ी ।
तथ लयूरवमुत छुमय ज़ारपारय ।
अंज़ी त्रऽवुम च्यानि ------।।

3) राजरानी छरव बिहिथ तरव्तस ।
राज करान छरव सअरि सऽइ ज़गतस ।
सहस प्यठ छरव नेरान स्वारय ।
अंज़ी त्रऽवुम च्यानि ------।।

4) म्यानि अंज़ी करि नज़रिसानी ।
सोय छम मऽज बढ़ मेहरबऽनी ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

वनतम मअज ओश कूत बु हारय ।
अंज़ी त्रऽवुम च्यानि ------।।

5) अथन मंज़ छिय भ्योन भ्योन हथियार ।
तिम छि सौन सन्दि सजवनि त शूभिदार ।
च़्यानि दंशनुक छुम मअज अमारय ।
अंज़ी त्रऽवुम च्यानि ------।।

6) लोल पोश लागय भावय अन्दरी ।
सीनह मुच़राविथ हावय बु सोन्दरी ।
वथरह वथरह मअज तिम पोश च़ारय ।
अंज़ी त्रऽवुम च्यानि ------।।

7) यछि़ पछि़ आईसय मअज च़्योन दरबार ।
खअलि नाइ नेरय केंछ्राह कर म्य चार ।
क्षण क्षण मअज ध्यान च्योन धारय ।
अंज़ी त्रऽवुम च्यानि ------।।

8) दरबार च्येन आसान बेशुमार ।
ओबरै मअज थवुम हर दरबार ।
यति यति छरव तोत तोत बु लारय ।
अंज़ी त्रऽवुम च्यानि ------।।

CC-0. Omkar Nath Shastri Jammu Collection. Digitized by eGangotri

9) म्यञ ॲज़ी ताह ताह मुच़राव ।
यि लयूरवमय तिय मंजूर थाव ।
नत बु "अन्ज़ान" मा गछ्य मारय ।
ॲज़ी त्रऽवुम च्यानि ------।।

"माय बोरुत पैगाम कुस वातनावे
"तस" ब्रोंह कनि परिथ बोज़नावे
लोलुक निशान म्योन "तस"
कुस हावे नतह माह बु गछह
यतिह तस रूस ज़ाये
अन्जान प्रारान तसन्ज़ि शाये"

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

13 – भजन

वलिंज छम करान छ्रट छ्रट मअजय ।
करि वोपाय पान लटि लटि मअजय ।।

1) रातस नाय आयम अरव नेंद्र ज़ोल ।
देमागस मचोमुत छुम म्य हल चल ।
आखरस अऽछ करय्म बन्द जल जल ।
यि संसार छुह पकान कम कम छ़ल ।
लूक छिह वेतरान कम कम त्रट मअजय ।
करि वोपाय पान ---------।।

2) याज़ मुचरेम अऽछ तान्य आम अरवबार ।
कमव कमव छिह करिमित कम कम कार।
पंऽच़व ज़ोल पान त पन्दाह गय बेमार ।
केंच़ँव चव शराब तह केंह गय खार ।
यी पऽरि पऽरि गयम अनिगट मअजय ।
करि वोपाय पान ---------।।

3) छ़न बलाय अरवबारस रेडयो छुह जान ।
नवि बजह लजि तति खबरा तान्य ।
अमाँ कतिताम रेल पेमअच़ पटरी सान ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

दपान अरव हथ त केंह लाशह कजेरव वुनियुक्ताम
यी बूज़िथ गोम फ्रट फ्रट मअजय ।
करि वोपाय पान ---------।।

4) अमाँह ताज़ कोर कमितान टी. वी. आन ।
दपान सारिवइ खोतह छुह यी वुछन जान ।
अति सोनी त ज़ी चेनला चलान ।
तति डिस्को डानस त नंगय ज़नान ।
दिल छुम करान धक धक मअजय ।
करि वोपाय पान ---------।।

आई हूँ तेरे पास, दामन फैला के,
इकरार प्यार का करलो पुचकार के।
बरसी है वर्षा मन में तेरे प्यार की,
चमन की कली हूँ, तेरे ही बहार की।
खवाहिशमंद हैं हम भी तेरे प्यार के,
खामोश रहे हम अपना ही दिल मार के।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

14 – भजन

चह़ करतअ कअचा़ सरव्ती म्य सऽति ।
तोति मगर छम म्ये च्यानी प्रीती ।।

1) खच़मऽच अटबारि छम गोब खार ।
संसार अपज़ुइ अपुज़ व्यवहार ।
च्यानी यि लीला च्यानी यि रीती ।
तोति मगर छम---------।।

2) योदवै भ्ये आसन ज़न्मन हन्दि पाप ।
गलन तिम सऽरी करख यलि माफ ।
माञ माञ शीन यिथ गलान ताप सऽती ।
तोति मगर छम---------।।

3) ध्याना म्य कोरमय सुबहन तह शामन ।
सयद्ध करतह अद म्येन मनि कामन ।
करार म्ये यिय च्यानि दर्शन सऽति ।
तोति मगर छम---------।।

4) इज़ा लोग म्य वारयाह सज़ा तुल म्य कऽफी
यिम छिम खता तिम बरव्श दिम म्य मऽफी
शरण छसय बु आमच़ भावनाए सऽति
तोति मगर छम---------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) चइ छुख ब्रह्मा विष्णो त महेश ।
बदलावान छुख कम कम वेष ।
अज़ाब कोरथम शबाब सऽति ।
तोति मगर छम---------।।

6) तक्सीर क्या खोत हलयन तह कलयन ।
क्राला चह पानय बान छुख पयन ।
नज़रा त्रावतम दयाय सअति ।
तोति मगर छम---------।।

7) मलाल त्रऽविथ खयाल थव म्योन ।
छसय बु हवाल चेय दास चाज़ ।
श्रम छुम गोमुत गमव सऽती ।
तोति मगर छम---------।।

8) लोल सान आईसय बु तिह अमरनाथ ।
हर हर महादेव हर म्येन पाप ।
अमरावती छय तति सअति-सऽती
तोति मगर छम---------।।

9) योताज़ में शाह छुम तोताज़ बु प्रारय ।
ओश छुम दोधमुत गअमअच़ बु मारय ।
अऽछि म्यानि लोसम इन्तज़ार सऽती ।
तोति मगर छम---------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

10) 'अन्ज़ान' छस बु पज़िया चेह रोशुन ।
दर्शन मात्र च़्यानि च़लिहेम म्ये क्रेशुन ।
बोलान बु तिह छस लोल सऽती ।
तोति मगर छम---------।।

यि छा ज़न वननच कथा।
ज़ि यस आसि "तसंज़" सथा।
ज़ि तस क्या करि न मुरूवथा।
तह हावयस न रच़ वथा।
मेति करेय यहय कथा।
ज़ि "अन्ज़ानस" रूगन शफा।
करतस हावतस रच़ वथा।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

15 – भजन

पनऽज़ गयम ज़ेव म्य फ़रिथ ।
दोह दरिथ गोम ।
तवयकिनेथ पेयस हरिथ ।
दोह दरिथ गोम ।।

1) राज़ घरच कूर अऽसस ।
पनज़ि वक्तचि हूर अऽसस ।
शुरि पानस सेन्दर करिथ ।
दोह दरिथ गोम --------।।

2) लोकचारस क्या म्य कोरुम ।
पनज़ि बापथ क्या म्य सोरुम ।
पअनि पानस दोखवह करिथ ।
दोह दरिथ गोम --------।।

3) छम नह यिवान नेंद्र रातस ।
छुम गछुन म्य आखर वापस ।
सरि शामय चूर फ़रिथ ।
दोह दरिथ गोम --------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

4) दोघअ पानस सूर कोरनम ।
नोतवअनी गयूर ओननम ।
कथ जवानी मूर करिथ ।
दोह दरिथ गोम --------।।

5) काँह म्य दियहेम शेहजार ।
चलिहेम शरीरूक यि नार ।
थचिस इन्तज़ार करिथ ।
दोह दरिथ गोम --------।।

6) पननेवइ बु करहस गीर ।
वारि वारे लाईथ तीर ।
पोत पोतुइ कथह करिथ ।
दोह दरिथ गोम --------।।

7) वुनि ति गव न केहँ ति चेर ।
योदवै करहम नह हेर फेर ।
तरवुनि गय तारह तरिथ ।
दोह दरिथ गोम --------।।

8) पोशमतिय दिवान पतिमिस फियुर ।
ज़ुवस आमुत छुम म्ये खुर ।
"अन्ज़ान" गयस कारा करिथ
दोह दरिथ गोम --------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

16 – भजन

च़ह छरव दीवी, बु छस देवान चयऽनी ।
बु छस नादान, मगर संतान चयऽनी ।।

1) च़ह छरव म्यऽज मऽज,बु करहाय कोरितोनुइ
करय यित गछ़, रटय अतगथ बु चयोनुइ
बु छस नादान ----------।।

2) बु करहा मऽज शुभ र्दशुन चयोनुइ ।
गछिहे पूर अरव अरमान म्योनुइ ।
रछुम आबरू च़ह छरव दस्तार म्यऽनी ।
बु छस नादान ----------।।

3) च़ह हृदयस मंज़ रटथ बु मऽज भवऽनी ।
शरण आमतय्न च़ह छरव अनुगृह करऽनी ।
च़ह छरव सरकार बु छस दरबान चअऽनी ।
बु छस नादान ----------।।

4) बु ज़रव्मी छस वनय कूत मऽज म्यऽनी ।
बलहन म्य तिम, करख यलिह नज़रि सऽनी
च़ह छरव मऽज म्यऽज दया छयना यिवऽनी।
बु छस नादान ----------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) शिवस शक्ति, च़ह छरव त्रलोक स्वामी ।
करय गऽजगथ, छलय बु पाद चयऽनी ।
च़ह छरव अफसर, बु छसना नौकरऽनी ।
बु छस नादान ----------।।

6) चजिरव त्रऽविथ, म्य छुमना दोऽद च्योनुइ।
च़ह छरव सीरबाज़ म्य, राज़ा बोज़ म्योनुइ।
च़ह छरव म्यऽज वैध, बु छस बेमार चयऽनी
बु छस नादान ----------।।

7) च़ह यति यति छरव,छु तति दरबार च्योनुइ
म्य रोटमुत छुम, सिर्फ दामान च्योनुइ।
च़ह छरव कारदार बु छस काश्तकार च्यऽनी
बु छस नादान ----------।।

8) च़ह छरव तुलमुलि, तति च्यऽन राजधानी ।
च़ह छरव टोठान भक्तेन राजरानी ।
बु "अन्जान" छस करान तऽरीफ चयऽनी
बु छस नादान ----------।।

(C) Bhushan Lal Kaul Jammu Digitized by eGangotri

17 – भजन

रऽति रऽति करव कार ।
पऽनि पानस यिन बकार ।।

1) शंकर तह पारवती, पूजा करस बु तती ।
पूज़ि लागस अरगह खार, रऽति–रऽति –।।

2) रऽज्ञन्या भगवती, पूज़ा करस बु तती ।
नागस बावस दोधअ खार रऽति–रऽति –।।

3) ज़ाला भगवती पूज़ा करस बु तती ।
शिशनोर तह ताहरि खार, रऽति–रऽति –।।

4) शारिका भगवती पूज़ा करस बु तती ।
च़करीश्वरस ऊँकार, रऽति–रऽति – –।।

5) मंगला भगवती, पूज़ा करस बु तती ।
नअलि त्रावस मोक्तहार, रऽति–रऽति–।।

6) उमा भगवती, पूज़ा करस बु तती ।
उमा नगरी पोश सार, रऽति–रऽति –।।

7) ज़ेष्टा भगवती, पूज़ा करस बु तती ।
सो छह रोज़ान ज़ीठयार, रऽति–रऽति–।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

8) वैष्णव भगवती, पूज़ा करस बु तती ।
सोह दिवान भक्तेन तार, रऽति-रऽति -।।

9) महालक्षमी भगवती, पूज़ा करस बु तती ।
सो छह सोज़ान धन ध्यार, रऽति-रऽति-।

10) महाकाली भगवती, पूज़ा करस बु तती ।
"अन्ज़ान" करान नमस्कार, रऽति-रऽति-।

आज भी ढूँढ़ा, कल भी ढूँढ़ा।
लेकर हाथ में श्म्मा।।
बहुत दिनों से ढूँढ़ रही हूँ।
ढूँढूगी हर लम्हा।
बात है बिल्कुल बेर्ददी की।।
बिछ़ड़ी मेरी मम्मा।
ऊपर वाला क्या कर डाला।
ले गया मेरी अम्माँ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

18 – भजन

पनह पनह गयस ब तनय ।
यनह मअज गयम म्ये छ़ेनय ।।

1) दोहा अख च़ मअज बेयि यिख नाह ।
रोय पनुन म्य हावख नाह ।
तनह क्या म्य गुदरयोम तिय बु वनय ।
पनह पनह गयस ---------।।

2) हाल पनुन बु भावहाय ।
सीनह मुच़रिथ हावहाय ।
सुलाख जिगरऽकि ब्रोंह कुन अनय ।
पनह पनह गयस ---------।।

3) ज़रय क्युथ मअज बु च्योन दूरेऽर ।
अथ डालिथ करुम पूरेऽर ।
च़ेह वोनमुत ओसुथ बु न्यायस सन्नय ।
पनह पनह गयस ---------।।

4) म्य हय्स फिरतम बु पेमह पायस ।
बु कति अऽसस बु कोत आयस ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

बु क्या अऽसस पथ ज़न्मय ।
पनह पनह गयस --------।।

5) च़ह पानह च़ज़िख बु कस त्रऽवथस ।
बु मोह मायायि मंज़ सऽवथस ।
कोवखतस मंज़ बु आयस हऽेन्नय ।
पनह पनह गयस --------।।

6) यि केंछ़ाह हेथ बु आयस तोरकुइ ।
ति तोलान छस बु यति सोरुइ ।
माजि यलि आसस पेमअच़ थन्नय ।
पनह पनह गयस --------।।

7) छु सोरुई मअज वज चेय ताम ।
दर्शुन दितम च़लेम म्य हान ।
बस करतह "अन्ज़ानस" ज़योन तह ज़न्मय
पनह पनह गयस --------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

19 – भजन

अज़ करव माज्य भगवती ज़ारपार ।
दर्शुन दिनस लगय्स न केंह ति चार ।
अज़ करव माज्य भगवती ज़ारपार ।।

1) अऽठम दोह वातय तुलमुल ।
दर्शुन दिनस करिज़ऽम सुलसुल ।
रत्नदीपन हुन्द बनावय ऊँकार ।
अज़ करव माज्य भगवती – – – ।।

2) हार चौदिश ज़पय च़्येन माला ।
खृव बालस पय्ठ छरव च़ह ज़ाला ।
तहरिह च़ोट तह शिशनोर तूअरि हय खार ।
अज़ करव माज्य भगवती – – – ।।

3) कोलगामि दिवसर पय्ठ बालस ।
गुल त गुलज़ार फोलिमित लालस ।
तति त्रपोर सौन्दरी करव नमस्कार ।
अज़ करव माज्य भगवती – – – ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

4) ज़ेठअ बृसवारे गछ़व ज़ीठयअर ।
तति करस ज़ारपार द्येव यियस आर ।
पादि कमलन माज्य ञम बार बार ।
अज़ करव माज्य भगवती ---।।

5) अमि पतह खसव शंकराचार ।
तति दिवांन शंकर भक्तेन तार ।
हलमव हलमव गुलाब तोत बु खार ।
अज़ करव माज्य भगवती ---।।

6) तोरह वसह थक दिम दुर्गानाग़ ।
शेहजार छाव तति छुह बोनि बाग ।
तति करव दुर्गाय जय जय कार ।
अज़ करव माज्य भगवती ---।।

7) जय जयकार अऽसिन महाकाली ।
तन्दि दरबार द्राव नह कांहति खाली ।
सो करान राक्षसन पानह सम्हार ।
अज़ करव माज्य भगवती ---।।

8) अंधरातन नेरव पंबत कुन ।
माज्य शारिकाय दिम तति वोन ।
च़करीश्वरस बु खसह वार-वार ।
अज़ करव माज्य भगवती ---।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

9) पोखरीबलस दिमव प्रदिक्षण ।
मअज भवऽनि नेरि अद तति नअनि ।
भाव पोशन हुँद त्रावस हार ।
अज़ करव माज्य भगवती ---।।

10) ब्रारि आंगन रोज़ान माता उमा ।
माता उमा करि पापन क्षमा ।
बूऽल छिह करान तति जानावार ।
अज़ करव माज्य भगवती ---।।

11) वैष्णव माता लगय पऽर्य पऽर्य ।
रात कयुथ अनिगटि यिमय सऽर्य सऽर्य ।
च़रणन दिमय तति मयीठ बार बार ।
अज़ करव माज्य भगवती ---।।

12) कैलास पर्वतस पय्ठ शिवनाथ ।
पार्वती सऽत ओस करान कथबात ।
द्यव लगि "अन्ज़ानस" तऋति तार ।
अज़ करव माज्य भगवती ---।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

20 – भजन

नौ दुर्गाय जय जयकार ।
लोल पोश लागस बारम्बार ।।

1) ओकदोह पय्ठ नवम ताम ।
नौवन रूपन धारय ध्यान ।
वेरि च़्यानि वेनह पोश माता बु च़ार ।
लोल पोश लागस– – – – – – – ।।

2) चई है नौ दुर्गा ।
बोज़ि म्येञ अंज़ा ।
म्यानि घरि माता च़ह धारि अवतार ।
लोल पोश लागस– – – – – – – ।।

3) ओकदोह माता दहम दरय ।
दोय माता काह करय ।
त्रय माता बु हय करय च़ेय ज़ारपार ।
लोल पोश लागस– – – – – – – ।

4) च़ोरम माता चोपअरि यितम ।
पंञचम माता दर्शुन दितम ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) लोल नज़रा मअज भवअनि म्ये त्राविहे ।
रऽच़ वथा वञ मअज भवअनि म्य हाविहे।
तल पादन कल पननुइ त्रावसई ।
मअज लगयय ---------।।

6) च़्यानि बापअथ दिल म्योन छुम वदान ।
लोलु दगि सऽत रग़ म्यानि ज़न दज़ान ।
नाद लायय यिनय डलहाम वादसई ।
मअज लगयय ---------।।

7) र्कमन हुन्द खुर पानय दूर करिहेम ।
गीर छस गअमअच व्यूर मअज, तुलिहेम ।
ज़रव्मअ जिगर सीनह मुच़रिथ हावसई ।
मअज लगयय ---------।।

8) पननिस दलिस तल जल मअज म्य रटिहेम।
मोह मायायि हुन्द ज़ाल मअज म्य च़टिहेम।
पादि कमलन लोलु पोश माजि लागसई ।
मअज लगयय ---------।।

9) अशिवानि सऽत पाद माज्य पननि छलहा ।
कोंग तह कोफूर माज्य तनि बु मलहा ।
गोढ़ करेन रोऽञः माज्य गरनावसई ।
मअज लगयय ---------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

10) ड़ेड़ि च्यानि तल छसना मअज प्रारान ।
प्राण म्येनी चेइ पतह पतह लारान ।
जान वन्दये चअनिस हर नावसई ।
मअज लगयय ---------।।

11) तापह दज़मऽच़ छस बु गऽमऽच़ अड़मऽर ।
वुठ बु फेशान छिम आमित म्य अऽश टअरि
त्रावि शेहजार छ़तह करिह यथ नारसई ।
मअज लगयय ---------।।

12) मोख म्य हावतम पय्ठ र्पबत हऽरी ।
गुलि गंडिथ छिय शरण आमित सऽरी ।
थज़रय नज़रा करतय "अन्ज़ान" सई ।
मअज लगयय ---------।।

सऽरी समहाव पायस प्यमहाव।
नय्महाव तस दयस कुन।
भ्रमके वुनले मंज़ क्याज़ि भ्रमहाव।
यलि दिमहाव तस लोलुक वोन।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

22 – भजन

अँज़राव मअज म्योन न्याय ।
पादन तल दिम जाय ।।

1) माता च़ह छख तीज़वान ।
गटि मंज़ छख प्रज़लान ।
प्रदिक्षण दिमय पृथ जाय ।
पादन तल ---------।।

2) महेशासोरन रंग रंग ।
दीवता यलि अनि तंग ।
नियनख स्वर्गच जाय ।
पादन तल ---------।।

3) यंदराज़ स्वर्ग प्यठ आव ।
सअरी दीवता ह्यथ द्राव ।
फरियाद कोरुन माताय ।
पादन तल ---------।।

4) भयभीत यंदराज़न ।
कल त्रोवनस तल पादन ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

अस्तुती करनि तिम द्राय ।
पादन तल ---------।।

5) माताए बूज़ फरियाद ।
दीवताहन दिल गव शाद ।
पूज़ा करहस लोलु माय ।
पादन तल ---------।।

6) माताय अद कोर कूप ।
दोरुन भयानक रूप ।
अथस मंज़ त्रशूल ह्यथ द्राय ।
पादन तल ---------।।

7) महेशासोरस कुन फीर ।
खोर सऽत दिच़नस ज़ीर ।
दोपनस तल पाताल छय जाय ।
पादन तल ---------।।

8) माता छख दयावान ।
कासतम ज़न्मच़ हान ।
परान रोज़ह च्यानि लीलाय ।
पादन तल ---------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

9) "अन्ज़ान" आमच़ शरण ।
पादन प्येमच़ परन ।
प्यठ रूज़िनम च़्योन साय ।
पादन तल ---------।।

अपुज़ुइ सोरूइ यि छु संसार ।
बु तिह छस च्येनी हेतह म्योन बार ।
नतह मा रोज़ेम तोत प्येठ लार ।
"अन्ज़ान" आज़ाद गछ्छ यरवबार ।
दय कति बोज़्यम ढूँगा सोज़िहेम ।
अद द्येव लगिहेम सदरस तार ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

23 – भजन

कयाज़ि लागान छरव बेगान मअजय ।
अर्पन करय बु पनिन प्राण मअजय ।।

1) यच़काल वोतम कोताह बु प्रारय ।
लबथ कथ जायह कति कति गारय ।
पअरि पअरि लगयनाह मस्तान मअजय ।
अर्पन करय बु ---------।।

2) अन्दरिम दअदि पनञ कस वंनह मअजय ।
सीनह मुच़राविथ कस हाव मअजय ।
अन्ज़रिथ म्य खोद गनज़रावतम मअजय ।
अर्पन करय बु ---------।।

3) सिपथ क्याह छु आसान ठान रोस बानस ।
संसार क्रूठ प्योम ब्योठ गोम पानस ।
दलिस तल रटतम पानय च़ह मअजय ।
अर्पन करय बु ---------।।

4) च़ेह रोसतुई कस वन कोताह म्य गुदरयोम।
अन्दरिय पानस सूर हय म्य सपदयोम ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

कअतिया हेतिथम इम्तिहान मअजय ।
अर्पन करय बु ---------।।

5) बेहद कमी छम चेय रोस बासान ।
यिथ कनि बेकस वति प्येठ छुह आसान ।
अथ पनुन ड़ालतम जानान मअजय ।
अर्पन करय बु ---------।।

6) तोशान तोशान आईसय बु मअजय ।
अछन गाश कोठयन होश थावतम मअजय।
"अन्ज़ान" छय वनान अफ़सान मअजय ।
अर्पन करय बु ---------।।

कयाज़ि लागान छख बेगान मअजय ।
अर्पन करय बु पनिन प्राण मअजय ।।

अकुय ओंकार युस नाभि धरे कुम्बई ब्रह्माण्डस
सोमई गरे अकुय मन्थर युस च्यतस करे
तस सास मन्थर क्याह ज़न करे ।।
(लल वाख)

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

24 – भजन

माता छमय चऽन माय लो लो ।
दर्शुन दिम जाय जाय लो लो ।।

1) शारिका माता क्या छि तीज़वान ।
सहस प्यठ छरव स्वारि नेरान ।
रअछ छरव करान प्रज़ाए लो लो ।
दर्शुन दिम जा० --------।।

2) चकरीश्वरस पय्ठ छरव विराजमान ।
अरदहाव नरेव छरव बोग बअगरान ।
प्रदिक्षण दिमव शारिकाए लो लो ।
दर्शुन दिम जा० --------।।

3) तुलमुलि मंज़बाग छरव नाग़स ।
शेहजारस तथ बोनि बाग़स ।
ध्यान धारह तति रऽज्ञन्याये लो लो ।
दर्शुन दिम जा० --------।।

4) ज़ेष्ठा भगवती चेय छी वनान ।
ज़ीठयअर भक्तेन दर्शुन दिवान ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

दोधअ हय भावय भावनाए लो लो ।
दर्शुन दिम जा० --------।।

5) दिवसर बालस पय्ठ छरव गौन्दरी ।
ध्याना धारय तति त्रपोर सौन्दरी ।
लगय ना च़्यानि दयाये लो लो ।
दर्शुन दिम जा० --------।।

6) दरबार च़्योन तति यारिकुलिस तल ।
शरण आइसय गोम मुश्किल हल ।
पोश लअगमय पूज़ाए लो लो ।
दर्शुन दिम जा० --------।।

7) खूव बालस पय्ठ बीहिथ ज़ाला ।
धूप कोफूर बु तति आलवस ।
तूऽरि आयसय आशाए लो लो ।
दर्शुन दिम जा० --------।।

8) भअदिपूर आयसय बजि आशाए ।
दिल गोम शाद तति च़्यानि भारगाए ।
बु तिह आयसय यछ़ाए लो लो ।
दर्शुन दिम जा० --------।।

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

9) अनअ धनअ सोज़ान छख ज़गत माता ।
सनिधान सनमोख यितह अख साथा ।
नत गछि "अन्ज़ान" ज़ाये लो लो ।

माता छमय चऽन माय लो लो ।
दर्शुन दिम जाय जाय लो लो ।।

केंच़न रऽञ छय शिहिज बूञी
न्यबर नेरव शुहूल करव
केंच़न रऽञ छय बर प्यठ हूंनी
नेरव न्यबर त रव्ययव ज़ंग
केंच़न रऽञ छय अदल-त-बदल
केंच़न रऽञ छुय ज़दल छ़ाय ।।

(लल वाख)

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

25 – भजन

संतोषी माता भविनय जय ।
लोलु पोश पादन वथरावय ।।

1) च़इ छरव माता च़इ छरव दाता ।
च़ेइ वनान छिय ज़गत माता ।
लोलु च्योन अन्दवन्द पूशतन मेय ।
संतोषी माता- - - - - - - - - ।।

2) गंग अशिवानि सऽत छलयय पाद ।
हर शोक्रवारे लायय च़े नाद ।
पज़िह भावनाए सऽत पूज़ा करय ।
संतोषी माता- - - - - - - - - ।।

3) शोक्रवारे सुलिअ सुलिअ नेंद्रि वथित ।
श्रान ध्यान करिथ पूज़ा करव ।
अद माता करान पापन क्षय ।
संतोषी माता- - - - - - - - - ।।

4) माजि संतोशी अटल नियम ।
शुक्रवारि यिन काँह च़ोकयर खेयम ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Kashmir Collection. Digitized by eGangotri

दूर करिह माता खोफ त भय ।
संतोषी माता- - - - - - - - - ।।

5) च़नअ त गओर छुइ च़योन टोठ आहार ।
लोल च़्यानि माता करय निराहार ।
अमि दोह भक्तिन होवुथ रोय ।
संतोषी माता- - - - - - - - - ।।

6) मनोकामना यस पूर सपदान ।
श्रदायि सान तिम छिह उद्यापन करान ।
प्रशाद च्योन पानय बु बअगरावय ।
संतोषी माता- - - - - - - - - ।।

7) अऽठन बालकन करान निमन्त्रण ।
खिर पूरिअ खयावान भूजन तिमन ।
दक्षिणाये कनि तिमन म्यूठ फल दिमय ।
संतोषी माता- - - - - - - - - ।।

8) वलह करव लोलु सान तसुन्द कीतन ।
माताए सपदि प्रसन्न अद मन ।
बेमारस म्य अथ डालि स्वय ।
संतोषी माता- - - - - - - - - ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

9) यलिह करव श्रदाय सान माजि हुन्द ध्यान ।
मअज तेलिह सनमोख दर्शुन दिवान ।
पनुन पान पादन तल त्रावय
संतोषी माता- - - - - - - - - - ।।

10) यिथ कञ टोठेयख तस नअरी ।
तिथय कञ टोठतय मेतिह हअरी ।
"अन्ज़ान" द्रामच़ छाँड़ान दय ।
संतोषी माता- - - - - - - - - - ।।

छांड़नि द्रायस तसुन्द खोजा ।
ओसमुत कुस तस मोला मऽजा ।
तस रोस यति ज़ांह कांह रोज़या।
तसन्ज़ शेछाह बुति ज़ांह बोज़ा ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

26 – भजन

सोरूइ छुह यति त्रावुन यमी संसारय ।
हेअ करञि तोरऽचि़ सखर पानो वारवारय ।।

1) यिनह रोज़िय कांसि हुँद कर्ज़ ।
नख वालुन यति छुई फर्ज़ ।
दज़ख नतह तति तमी नारय ।
हेअ करञि तोरऽचि़ ------।।

2) कर जल्दी वाल पनञ ज़िम्वऽरी नखह ।
मह वुफ ज्यादअ फुटनय तति यिम परवह
वार वार त्राव यमि संसारुक अमारय ।
हेअ करञि तोरऽचि़ ------।।

3) त्रावुख बन्ध बान्धव पुशराव भगवानस ।
हेअ करञ पादि सेवा तस श्री रामस ।
नतह मा गछ़ख तऽोत वऽतिथ खजल खारय
हेअ करञि तोरऽचि़ ------।।

4) यि छुह रिश्ता अपज़ुइ सोरुइ ।
पज़रचि छनअ दअनि अथ लोरुइ ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

मअ फेर आवारह गछ बेधारय ।
हअ करञि तोरऽचि़ ------।।

5) वुनियुकताम योदवै गई च़य गफलत ।
वुनिह तिह वरव छुइ मह दि पअनि पानस लथ
गछ शरण "तस" करुस ज़ारपारय ।
हेअ करञि तोरऽचि़ ------।।

6) यिमन हुन्द मारमोत छुइ तिम कति तारनय
यिमन यछ़ान छरव तिम कति गारनय ।
तारान तह गारन वोल "सुइ" करुस प्रणाम भारमभारय
हेअ करञि तोरऽचि़ ------।।

7) आदनय अद कौन सोरुम पानस यिहोइ स्वाल
क्याज़ि़ वूनुम पानस क्युथ ज़रलुन ज़ाल
"अन्ज़ान" फसेयस ज़ालस गयस गिरिफतारय
हेअ करञि तोरऽचि़ ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

27 – भजन

आमि दोधअ नावय तन ।
माता म्य रोज़ि प्रसन्न ।।

1) च़ह छख माता संतोषी ।
बु लागय शेरि पंपोशी ।
वेरिह च़्यानि छस च़ारन ।
माता म्य ---------।।

2) च़ह छख कल्याणकऽरी ।
म्य करिमय ज़ऽरि ज़ऽरी ।
व्यसनावमय च़्येन गुऽण ।
माता म्य ---------।।

3) लोलु करस आलव ।
धूप कोफूर ज़ालव ।
ध्यान धारस च़रणन ।
माता म्य ---------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

4) माता च़ह छरव सौन्दर ।
रटहथ मनि अन्दर ।
गूर गूर रोज़य करन ।
माता म्य --------।।

5) ढेकि प्यठ मुकट सौनसुन्द ।
मेन्द लदन कासान मयोन्द ।
शरण आमतेऽन बरव्शन ।
माता म्य --------।।

6) कलस प्यठ मोखतुक ताज ।
करान छरव ज़गतस राज ।
दोछ़ि दोछ़ि छ़रव बऽगरन ।
माता म्य --------।।

7) ज़रबाफ तय अतलास ।
जामह छरव लऽगिथ खास ।
गटि मंज़ छरव चमकन ।
माता म्य --------।।

8) अरदाह नरि शूबान ।
बु वन्दहय पनिन टऽठि प्राण ।
आयस च़्ये कुन बु शरण ।
माता म्य --------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

9) दितम माज्य त्युथ रब्दा ।
युथ म्य वुज़ि लोलु शब्दा ।
परय सुबहन त शामन ।
माता म्य --------।।

10) चेह आलमस प्यठ अमीरी ।
मंगान छसय फकीरी ।
हलम छसय बु दारन ।
माता म्य --------।।

11) दिम म्य तियुथ अदा ।
युथ म्य रोज़ि धर्मचि श्रदा ।
स्कून सान रोज़हे म्य मन ।
माता म्य --------।।

12) माता छह सर्वव्यापक ।
म्य सीऽत इन्साफ करहरव ।
"अन्ज़ान" मंगान दर्शुन ।
माता म्य --------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

28 – भजन

कोंग तह कोफूर तनि मलये ।
पाद छलये सौन्दरी ।।

1) सासबऽदि रूप छी भवऽनी ।
अरज़ाह बोज़ म्योनुय ।
च़्यानि नज़रे जांह न डलये ।
पाद छलये --------।।

2) रंग रंग छस तंग आमऽच़ ।
च्यानि दादि मार गऽमच़ ।
तनि मनि च्येय सऽत रलये ।
पाद छलये --------।।

3) नेत्रन मंज़ जाय करये ।
पाय करि म्योन दीविये ।
कन्ध नाबद थाल भरये ।
पाद छलये --------।।

4) रंग रंग जामह ज़रकऽरी ।
कमि अन्दह वुछय हऽरी
लोलु कोस्मन मालह करये ।
पाद छलये --------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) धन ध्यार सऽत क्या प्रोवुम ।
यनह च़्योन निशान रोवुम ।
चोन नावा वऱ बु र्सोये
पाद छलये --------||

6) वऱ म्य रोटमय च़ोन दामान ।
पअरोवमय सामान ।
अतलास किय जामह वलये ।
पाद छलये --------||

7) पश्चाताप सीऽत छस दज़मऽच ।
मोह मायायि वजिमअच ।
मनि मंदरस जाय करये ।
पाद छलये --------||

8) रोऱ गोढ़नई तल पेमये ।
च़रणा अमृत चमये ।
"अन्ज़ाना" पूऽथि परये ।
पाद छलये --------||

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

29 – भजन

दयावान छरव दया करतम ।
परम दामुक दामा चावतम ।।

1) यच़काल वोतुम यिवान तह गछान ।
पतूस अफसूस यति लारान ।
कति म्योन मंज़िल तिय वनतम ।
दयावान छरव– – – – – – – – – – ।।

2) सोंचान छस बु क्याज़ि ज़ायेस ।
कोवक्तस मंज़ हेनअ आयेस ।
म्य सायस तलह पानअ रछतम ।
दयावान छरव– – – – – – – – – – ।।

3) यन प्यठ पेयस बु फिक्रे मंज़ ।
तन प्यठ गोमुत छुम म्ये क्रंज़ ।
ललाटस म्येनिस पानह लेरवतम ।
दयावान छरव– – – – – – – – – – ।।

4) बु रटमअच़ छस गृहस्तदारी ।
सऽरइ कास्तम च़इ खऽरी ।
म्य मोकलनपाय पान करतम ।
दयावान छरव– – – – – – – – – – ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) बु ललवान दग तान तानय ।
दवा छांड़ान छस वान वानय ।
च़अ पानय पनुन अथ डालतम
दयावान छरव----------।।

6) बु लजिमअच़ छस लूक पामन ।
म्य जेरअ छुम चारव बु दिमह जामन ।
तक्सीर क्या छुम तिय वनतम ।
दयावान छरव----------।।

7) खबर छा क्या म्य खऽरथ हान ।
बु पऽज़ि किन छस स्यठा नादान ।
म्य शुर ज़ऽनिथ क्षमा करतम ।
दयावान छरव----------।।

8) बु कोताह वनय म्य क्या छुम हाल ।
मोह ज़ालन म्य वोलमुत नाल ।
अम्युक व्यस्तार म्य पान दितम ।
दयावान छरव----------।।

9) प्रारान प्रारान गोम यच़काल ।
छाँड़ान चेइ म्य गोम बद हाल ।
मार छस गअमच़ चार करतम ।
दयावान छरव----------।।

CC-0. Omkar Nath Shastri Jammu Collection. Digitized by eGangotri

10) वदान रिवान छस चे़इ निश यिवान ।
खबर कौन छख च़ह म्योन बोज़ान ।
फ़रियअदि आइसय वारह बोज़तम ।
दयावान छख----------।।

11) च़इ मयेञ मऽज तह च़इ म्योन मोल ।
म्य आमुत छुम स्यठा च्योन लोल ।
यितम साथा र्दशुन दितम ।
दयावान छख----------।।

12) बु गअमअच़ छस स्यठा नोतवान ।
म्य रूगव सअति दोधरयोमुत पान ।
दादेन छोकन दवा करतम ।
दयावान छख----------।।

13) योदवै म्य गल्ती गय वुनियुक्ताम ।
क्षमा कर वअनि तथ तिय गछि़ जान ।
ज़ारपार कोरमय त वार बोज़तम ।
दयावान छख----------।।

14) म्य कुन वअनि फेर कथा अख बोज़ ।
बु वायान भक्ति भावुक सोज ।
वक्त छुम कम म्य कन थवतम ।
दयावान छख----------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

15) गनेमअच़ छम मनस चऽज़ माय ।
बु छस "अन्ज़ान" च़ कर म्योन पाय ।
पादन तलह मेति वरतम ।
दयावान छख----------।।

चा़लुन छुई वुज़मल तः त्रटै
चा़लुन छुई मन्दिन्यन गटकार
चा़लुन छुइ पान पनुन कडुन ग्रटै
ह्यत मालि। सन्तूष वाति पानै।।
(लल वाख)

CC-0. Krishna Tai Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

30 – भजन

माया ज़ाल मंज़ यलह त्रावनावतम ।
तोरची विद्या परनावतम ।।

1) बजि आशाऐ घरि पननि द्रायेस ।
आयेस मअजय च़ेय बु शरण ।
गोब बोर हेथ छस अन्द वातनावतम
तोरची विद्या ---------।।

2) लगयना बु मअजय च्यानि भारगाये ।
बजि भावनाए पेइसय परन ।
लोलुच विघिन्नया मेतिह वुज़नावतम ।
तोरची विद्या ---------।।

3) थक थक दम दम खच़सय हेरन ।
फेरान कोता छुम मअज च़्योन ।
आनन्द भवनस मंज़ वातनावतम ।
तोरची विद्या ---------।।

4) थर थर लद छस भर मुच़रावतम ।
हावतम मअजय गटि मंज़ गाश ।
यि केंछ़ा सूज़थम ति सेधि बुथि थावतम ।
तोरची विद्या ---------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) ढ़ेकअ मुच़रिथ मेति नज़रा त्रावतम ।
हावतम सेज़रच तह पज़रचि वथ ।
मअजय जांह मत पर पावनावतम ।
तोरची विद्या --------।।

6) थकिथ छ़यनिथ छस बु पेमअच़ ।
गअमअच़ छसना शक्तिहीन ।
सहायतस रोज़तम मत वदनावतम ।
तोरची विद्या --------।।

7) च़्यानेन चरणन हँज़ चेयम त्रेशा ।
होशा आम तति म्य मदहोशस ।
जय जय माता ज्ञान वुज़नावतम ।
तोरची विद्या --------।।

8) अऽखरी समयस दिज़ेम हेस-होशा ।
पोशा युथ बु चेय पिलनावय ।
कांसि प्येठ मअजय मत पावनावतम ।
तोरची विद्या --------।।

9) यमदूतन हँज़ थर मत हावतम ।
सावतम पोशऽकि पअठि मअजय ।
ध्याना च्योनुइ च़इ म्य करनावतम ।
मअजय मतय --------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

10) "अन्ज़ानस" मअजय ज़ान करनाविज़म ।
हाविज़्यम तमि विज़ि र्दशुन म्य ।
शिव शिव शम्भू तिय म्य परनावतम ।
तोरची विद्या --------।।

अज़पा गायत्री हमस हमस ज़पिथ
अहम त्राविथ अद सोई रठ
यमि त्रोव अहम सु रूद पानय
बो नो आसुन छुई उपदेश
(लल वाख)

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

31–भजन

होल गोम लोलु च्याने ।
वलो शंकर म्याने ।
चेह रोस छस बेमाने ।
वलो शंकर म्याने ।।

1) कैलाश कोह च्योन घर,ज़गतस प्येठ छय नज़र
प्रणाम अऽसिनय गोसाने, वलो शंकर म्याने ।।

2) छय चेह त्रकाल दृष्टी, बनअवथ चेय सृष्टी ।
सती हन्दि ढ़ेय्क लाने, वलो शंकर म्याने ।।

3) त्रेन शब्दन हुन्द ओम, तथ अन्दर छुख चु नोन
सुइ बु पर लोलु च्याने, वलो शंकर म्याने ।।

4) कामदीव चेय जोलथन, अंहभाव निश वोलथन।
चे सिवा कुस ज़ाने, वलो शंकर म्याने ।।

5) सह चम छय वलिथ, भस्मा छुइ मलिथ ।
गोसानि नंग तन्ने, वलो शंकर म्याने ।।

6) तपस्यायि मंज़ मऽगन, पापियन पाप हरन ।
पाद छलय अशवाने, वलो शंकर म्याने ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

7) खोशयिवुन महेश, पारवती बेइ गणेष ।
यिरवना कुनि वन्ने, वलो शंकर म्याने ।।

8) आराधना बोज़रवना, मेति बोगा सोज़रवना ।
लोलु च़ायेस भर च्याने, वलो शंकर म्याने ।।

10) शंकर यियनय आर, मेति दित भवसरतार ।
बल च्यानि छ़र्यटिवाने, वलो शंकर म्याने ।।

11) सपदेमित छिम सितम, वोपदेमित छिम गम ।
यस्य बनि सुइ ज़ाने, वलो शंकर म्याने ।।

12) यिर गअमितेन छुख तारान, 'अन्ज़ान' च़ेय प्रारान
नम रट नावि म्याने, वलो शंकर म्याने ।।

दमन बस्ति दितो दिल
दमनस यथ दमान खार
शस्त्रस सोन गच्छी हासिल
वुञि छै सुल ताय छांडुन यार
(लल वाख)

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

32 – भजन

हरी हर भवसरसइ दिम तार ।
गुलि गुंड़िथ छसय करान चेइ ज़ारपार ।।

1) यच़काल प्यठ प्रारान छसय ।
दर्शुन दिंतम नतह बर माह गछ़य ।
शिव शिवय श्री ओंकार ।
गुलि गंडिथ छसय-------।।

2) भक्तिभाव आइसय ड़ेड़ि च्यानि तल ।
मुशकिल म्योन करसह जल-जल हल ।
आकारन मंज़ छुख निराकार ।
गुलि गंड़िथ छसय-------।।

3) स्मृण च़्यानि छम ज्यूति बासान ।
शक्ति शिवस छख सऽत आसान ।
त्रेथमि नेत्र सऽत करान सम्हार ।
गुलि गंडिथ छसय-------।।

4) केवल परान छस बु नमः शिवाय ।
'अन्ज़ान' छस दिम पनऊ राय ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

ऊँ छु सारसई पाठस सार ।
गुलि गंडिथ छसय-------।।

5) योदवै म्य पूज़ाय गफलत गछेम ।
होल कोल परनह किन अछर मशय्म ।
क्षमा करिज़म प्रभु नतह गछय मारः ।
गुलि गंडिथ छसय-------।।

6) प्रातः कालस बु व्यस्मर पेवान ।
दया कर म्य प्यठ वनि हे दयावान ।
बरव्श म्य यि तक्सीर छुम सदबार ।
गुलि गंड़िथ छसय-------।।

7) अमरनाथ दर्शनुक ओसुम अमार ।
बुलावा चोन आम कोरथम चार ।
तिथय पअठि कास्तम सअरी गमरवार ।
गुलि गंडिथ छसय-------।।

8) घट दूर करतम 'अन्ज़ानस' ।
ज्ञान-ज़ल युथ म्य वुज़हे पानस ।
ज़पह ऊँ नमः शिवाय चेइनिश बार-बार ।
गुलि गंडिथ छसय-------।।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection. Digitized by eGangotri

33 – भजन

व्यसनअविमय चयेन गोण ।
शंकर थवतम कन ।
म्य वोतुम करान वन–वन ।
शंकर थवतम कन ।।

1) आधीन चेइ त्रेभवन, ताबीन चेइ क्षण–क्षण ।
न्यायस म्येनिस सन, शंकर थवतम कन ।।

2) कति प्यठ कोत आयस करनि क्या योत आयस ।
सोचान गयस पनपन, शंकर थवतम कन ।।

3) मोह ज़ालस फटमच़, कोवासनाई छस रटमच।
लगिमित पननेन घरन, शंकर थवतम कन।।

4) कोवक्तस आयेस ह्यनसई, अफसूस छुम मनसई
हनि हनि गजिमच़ म्य तन, शंकर थवतम कन

5) ज़न्मस यिथ बु क्रेशान,वुठ छस वोत्र फेशान।
भय छुम लगान क्षण क्षण शंकर थवतम कन

6)यमि पत कोत म्य गछुन कअतियाह जन्म म्य ह्यन
सोरनय छय्म हन हन, शंकर थवतम कन।।

7)अरव अरव दोह मोकलान, कुनि केंह छसनह लबान
व्याकुल गव म्योन मन, शंकर थवतम कन।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

8) गुलि बु छस मूरान, कति मेलयम भगवान ।
रोटमस आगरुक यन, शंकर थवतम कन ।।

9) जलवअ पनुन हाविहेम, ज्ञान वुज़मल त्राविहेम
रटि हे नावि म्यानि नम, शंकर थवतम कन।।

10) कथ प्यठ छस करान नाज़ ।
कमव कमव हअर यति बाज़ ।
खाली अथव छि गछ्न, शंकर थवतम कन।।

11) यि छु अपज़ुइ संसार, लगि केवल तस तार ।
युस करि च्योनुइ ज़ुऽन, शंकर थवतम कन।।

12) दोछ्ि दोछ्ि लागय पोश, मोछि मंज़ आयेस हय्थ
शेरि लागय प्रभातन, शंकर थवतम कन ।।

13) वोथि युस अर्धरातन, तस छुख प्रखुट भासन
बु करान च्योनी भजन, शंकर थवतम कन।।

14) नियुन हयोन छुम न केंह, नाहक्य छम म्य तेह
भक्ति भाव कर कीर्तन, शंकर थवतम कन।।

15) शंकर भविनय जय, ध्य्व मेति टोठेम दय ।
"अन्ज़ान" वऽनि समझन शंकर थवतम कन।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

34 – भजन

वलो लछ नावियो यिता म्यानि सालय ।
म्य थविमय भरि–भरि दोध हर प्यालय ।।

1) म्य पुशरोवमय पान चेय वोज सोरूइ ।
आईसय शरण चेय हय्थ गोब बोरूइ ।
रछतम रछवनि त्रज़गत पालय ।
वलो लछ नावियो– – – – – – ।।

2) यथ नावस सअति छय चेय प्रऽती ।
आलव दिमय बु तमी नाव सऽति ।
पानय वुछतम छसय कमि हालय ।
वलो लछ नावियो– – – – – – ।।

3) कमि वति यियहम तमी वति प्रारय ।
वतन च्यानेन कोसम वथरावय ।
लोलु पअरावय च्योन बिठालय ।
वलो लछ नावियो– – – – – – ।।

4) अशवानि सअतेन पादि ज्यूर छलयो ।
शाम रंग तनि च्यानि कोफूर मलयो ।
धूप दीप कनि बु प्राण पनऽन आलवय ।
वलो लछ नावियो– – – – – – ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) मनि मन्दरस मंज़ आसन सजावय ।
चरणन तल बु कल हो त्रावय ।
दया करतम हे दयालय ।
वलो लछ नावियो------।।

6) सूरमति लगयो छम च्यानि लादन ।
आदन छुख च़ सऽत साधन ।
मोकलावतम म्य कष्टनि ज़ालय ।
वलो लछ नावियो------।।

7) मखमल पोशन वेलकम बनावय ।
तथ प्यठ सजाविथ ऊँ लेखनावय ।
तेल तह कन्ठगन फलिह-फलिह ज़ालय ।
वलो लछ नावियो------।।

8) मनि मंदरस मंज़ ध्यान च्योन धारय
अन्तःकरण बु च़ेय सऽत थावय ।
कलि च्यानि प्रारान वोतुम यच़कालय ।
वलो लछ नावियो------।।

9) रंग कुठि करयो प्रंग वथरुनये ।
माज्य पारवती कर पूज़ा बेनुए ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

लोल बु शेरय किशमिश थालय ।
वलो लछ नावियो- - - - - - - ।।

10) चइ छुरव अन्त तय चइ छुरव आध ।
चइ हा छुरव साधन हुन्दुइ साध ।
'अन्ज़ान' छसय वोज चेइ हवालय ।
वलो लछ नावियो- - - - - - - ।।

रुवुम माय दय सन्ज़ि राय,
चटिथ मायायि हन्ज़ माय।
रटिथ तऽसि कुन त्राय,
थवम 'दयस' सऽथ लय।
शायद 'अन्ज़ान' लबय्स पय।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

35 – भजन

यमि कष्टनि ज़ालय, भगवान मोकलावतम ।
बु छसना कमि हालय हे प्रभु पानह वुछतम ।।

1) हर मोख के हरी हर, कास्तम ज़न्मच़ थर ।
यमि नरकनि नारय भगवान मोकलावतम ।
यमि कष्टनि ज़ालय ------।।

2) अवल बु छस कर्महीन दोयुम रोटुथ च़े कीन।
कास्तम घट ज़ालय ज्ञान गाशा त्रावतम ।
यमि कष्टनि ज़ालय ------।।

3) नअलि छुम गोमुत अंज़ोल तमी छुम यूरमुत ओल
वोज़ छुइ च़े सवालय रच़ वथाह हावतम ।
यमि कष्टनि ज़ालय ------।।

4) म्य वूनुम ज़लरुन ज़ाल तमी गोमुत म्य युथ हाल
छसय वोज़ च़ेय हवालय चवापार्य च़ई बासतम।
यमि कष्टनि ज़ालय ------।।

5) द्रायस घरि च़ीरी, मंज़िल छुम स्यठा दूरी ।
कृपा कर हे कृपालय मंज़िल तय करनावतम ।
यमि कष्टनि ज़ालय ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

6) तन मन करय अंपन बु कर करह च्योन दंशुन
दया कर हे दयालय पाप शाप चइ कास्तम ।
यमि कष्टनि ज़ालय ------।।

7) क्षमा कर "अन्ज़ानस" म्य मा केंह खबर पानस
नअलि त्रावय मालय दासा म्य गज़रावतम ।
यमि कष्टनि ज़ालय ------।।

मूडस ज्ञानचि कथ नो वनिज़े
खरस गोर दिनअ रावियं दोह
सेकि शाठस फल नो वविज़े
रावियं कोऽम याजन ज़न तील
(लल वाख)

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

36 – भजन

जिगरस मंज़ छुम अरव आम–ताव ।
हे महादेवा दर्शुन म्य हाव ।।

1) कुस छुइ मोल मअज कस च़ह ज़ारव।
कम छि तिम ज्ञानी यिमन निश च़ आरव ।
यि राज़ा क्या छुह मेतिह बोज़नाव ।
हे महादेवा ––––––––।।

2) भगवान वेष्णु वैकुन्ठ आव ।
माता महालक्षमी कोरनस भाव ।
नाबि मंज़ किथ पऽठि पंपोश द्राव ।
हे महादेवा ––––––––।।

3) रचित क्या लीला, करअथ योक्ती ।
बनावुथ पानस, सऽत शक्ति ।
तवय प्योय शिव–शक्ति च़ेय नाव ।
हे महादेवा ––––––––।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

4) दीवी दीवताहन, मंज़ छुख श्रेष्ठ ।
ब्रह्मा तह विष्णु, चइ छुख महेश ।
चेय सनमोख वुछनुक, छुम म्य चिकचाव।
हे महादेवा --------।।

5) पोड़र कनि छुइ, भस्मा मलिथ ।
पलवव कनि, सह-मसलाह वलिथ ।
अथस मंज़ डाबर, त्रशूल हय्थ द्राव ।
हे महादेवा --------।।

6) त्रलूक स्वामी, च्ये छि वनान ।
बु तिह मिलनावहा, च्य सऽत ज़ान
हर हर श्री ॐ, चेतस मंज़ म्य पाव ।
हे महादेवा --------।।

7) बु छस मस्त नेंद्रे मंज़ मदहोश ।
वुज़नाव तम म्य अनतम होश ।
संतान ज़ानिथ म्य गम मशराव ।
हे महादेवा म्य --------।।

8) सरिराह पेमच़ छुस ज़न फकीर ।
पापव पननेव करहस बु गीर ।
बु फ़ोर चटना म्ये जेरह वोज़ आव ।
हे महादेवा म्य --------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

9) सिद्धि वानिन हिश करतम बाश ।
"अन्ज़ानस" केवल च़ाऽनी आश ।
बोठ खारतन म्येन यिरवज़ नाव ।
हे महादेवा --------।।

ज़नम प्रऽविथ करम सोवुम धार्म पोलुम सुइ छम सथ नेत्रान अन्दर प्रेयम दोरुम च़ोरुम त मोनुम यहोई अख
(लल वाख)

CC-0. Dr. Shyam Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

37 – भजन

दऱ छस लजमच़ सोरूइ छुम करनय ।
मरनय म्य मर मर हर शम्भू ।।

1) अगूर सदरस मंज़ छस फटमच़ ।
रटमच़ छनस बु कऽमि क्रमनइ ।
मरमर म्य लोगमुत संज़ छिम करनय
मरनय म्य मर ------।।

2) गऽफिलनि गफलत सो गयम पानस ।
थानस गअरज़ान क्याज़ि लगहा ।
ब्रोंह कनि आसिथ ज़ान छम करनय ।
मरनय म्य मर ------।।

3) यिरवज़ि नावि मंज़ बोठ म्य खारतम ।
वनतम किथह लगि नावि मयानि तार ।
नम रट नावि मयानि नत बु रोज़ह तरनय।
मरनय म्य मर ------।।

4) ईश्वर म्याने अमर गोसाज़े ।
च्याने नज़रे बल बु बेमार ।
मरनय म्याने बानह यिनयाह भरनय ।
मरनय म्य मर ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) ब्रारिज़ून ज़न गयम रऽटनस भ्रमनइ ।
क्रिमनई रटनस मंज़ भवसरस ।
दय यस टोठे तस छु पाप हरनय ।
मरनय म्य मर ------।।

6) वुनियुक्ताम दितमय म्य कअतियाह आलव।
चालुन कोताह म्य छुम शुम्भू ।
थर थर लद छस कोठि छिम न दरनय ।
मरनय म्य मर ------।।

7) तीरव तह बरिशव ज़रव्मी करहस ।
गऽजिस रंग रंग पामव सऽीत ।
पननिय अथ छिम पानस फरनय ।
मरनय म्य मर ------।।

8) वअदि वअदि पानस गअदि छिम गअमित ।
आमिस टअकिस ज़न छस मंज़ ।
लूकमोत अनिगोट कथ म्यानि करनय ।
मरनय म्य मर ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

9) तार हँज़ा बनिथ नावि म्यानि नम रठ ।
हमतुलि रूसतुइ पेमच़ म्य नाव ।
नावि तार लगनुक मंत्र म्य परनय ।
मरनय म्य मर ------।।

10) "अन्ज़ान" पानस ओश छस हारान ।
प्रारान प्रारान गयस अड़मऽर ।
सऽरि-सऽरि वुनयुक्ताम सोरुइ म्य सोरनय ।
मरनय म्य मर ------।।

युस हा मालि हेडेम गेलयम मसखर करिम
सुई हा मालि मनस खरेम नः ज़ांह
शिव पनुन यलि अनुग्रह करयम
लूक हुन्द हेडुन मेः करयम कयाह।
(लल वाख)

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

38 – भजन

सत ची वथ हावतम ।
मंज़िलस वातनावतम ।।

1) वथ छम स्यठाह ज़ेठान ।
मंज़िल छस न कुनि डेंशान ।
अड़वति मत त्रावतम ।
मंज़िलस ---------।।

2) अवल द्रायस घरि चीरी ।
दोयुम मंज़िल दूरी ।
तथ वोज़ क्षमा करतम ।
मंज़िलस --------।।

3) वूनमत म्य पानस ज़ाल ।
गृहस्तन वोलमुत म्य नाल ।
मोकलन पाय करतम ।
मंज़िलस --------।।

4) पानस क्युथ न सडोरान, ।
बु केवल घर घर करान ।
बरस तल प्रारान यम ।
मंज़िलस --------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) घरकेव ओनहम गयूर ।
कथ पानस गयम मूर ।
च़ह पानय व्यूर तुलतम ।
मंज़िलस --------।।

6) म्य गोमुत छुम वसवास ।
करह किथह सदरस क्रास ।
तारहँऽज़ बनिथ तारतम ।
मंज़िलस --------।।

7) फेरान बु हालि हऽरान ।
द्येव बु तिह लब भगवान ।
यित गछ़ मोकलावतम ।
मंज़िलस --------।।

8) हावतम नोन म्य गाशा ।
म्य केवल च्यानि आशा ।
अज़लय म्य प्रज़लावतम ।
मंज़िलस --------।।

9) ब्रोंह छम नीजी खार ।
पोत फेरनस छुम न वार ।
ज्ञान र्वशुन करतम ।
मंज़िलस --------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

10) क्रंज़लि पोञ छस बु सारान ।
अऽनि सअरि मोक्तह च़ारान ।
खामस पोखवतह करतम ।
मंज़िलस --------।।

11) च़ेह सिवा करह कूत धाड़ ।
पाञि रोस ज़न छस गाड ।
सऽोन वोगुन सऽोमरावतम ।
मंज़िलस --------।।

12) मंज़िल म्योन वनतअ कते ।
बु त्रेशहच़ पेमच़ वते ।
च़रण अमृत चावतम ।
मंज़िलस --------।।

13) आमच़ शरण "अन्ज़ान"
छाँड़नि द्रामच़ भगवान ।
सन मोख ब्रोंह कुन यितम ।
मंज़िलस --------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

39 – भजन

सअरी परितव लोल तह माये ।
नमः शिवाये नमः शिवाये ।।

1) राज़ दज्ञप्रज़ापतस कोरय्व मंज़ कूराह ।
र्कमवान र्धमवान र्स्वगच़ हूरा ।
तस अऽस शिव शंकर सअन्ज़ माये ।
नमः शिवाये ---------।।

2) शिव शिव शम्भू नित्य लजि ज़पने ।
द्राय शिवनाथस पूज़ा करने ।
दोपनस शंकर लगयो भलाये ।
नमः शिवाये ---------।।

3) अकि दोह शंकर बुढ़अ लऽगिथ आव ।
माताए हुन्द मन परखावित द्राव ।
तोरह तऽम वोननस वरुम दयाये ।
नमः शिवाये ---------।।

4) भूत प्रोत ह्यथ आव शिवजी भरात ।
दक्ष राज़स गव मन उदास ।
अपसराय तोत अदह वनवनि आये ।
नमः शिवाये ---------।।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection, Jammu. Digitized by eGangotri

5) राज़स क्रूध खोत गोस अभिमान ।
दोपनस कूरी शिव छु शुमशान ।
घर बार रोस्तुइ बेहरव कथ जाये ।
नमः शिवाये ---------।।

6) अकि दोह राज़न यलि कोर हवन ।
दोपनरव प्रछुन छुम न म्य तिमन ।
माता सती अद दौरान आये ।
नमः शिवाये ---------।।

7) अगनअ कोन्ड़स मंज़ वोठ लाय सती ।
ज़न्मस आय पत सोय पारवती ।
लूक लगि करने तति त्राहि त्राहे ।
नमः शिवाये ---------।।

8) शिव शंकर सन्ज़ समृण यिम करान ।
तिमय छि लीला तसन्ज़ ज़ानान ।
शिवई छु कासान तिमन आपदाये ।
नमः शिवाये ---------।।

9) शिव छु शुमशान शिव छु शक्तिमान ।
सुई गव भगवान तऽस करव प्रणाम ।
लोल छस बोलान प्रबल यछाये ।
नमः शिवाये ---------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

10) शिव सुन्द मन्त्र युस परि लोल सान ।
तस छु शिवजी ब्रोंह कनि बासान ।
गमहच़ बु ति प्रारान भावनाए ।
नमः शिवाये ---------।।

11) माग कृष्ण पक्ष ओस नवम दोह ।
अन्ज़ान मनकिन छस फिरान कोह ।
कलम बन्द छस करान वनुम वोपाए ।
नमः शिवाये ---------।।

ललं बो द्रायस लोलरे
छांडान लूसस दिन क्योह रात
वुछुम पंडित पन्ने घारे
सुई में रोटमस नक्षत्र तः सात ।
(लल वाख)

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

40 – भजन

ज़िन्द ज़ुव चरणन तल बु मरयो ।
लछनावि करयो पोश पूज़ा ।।

1) हर मोख के हर हर शम्भू ।
परनावतम म्य सूहंसू ।
किशमिश, बादाम, कन्ध चन्द भरयो ।
लछनावि करयो ------ ।।

2) पाप शाप हरवनि कैलास–वासी ।
दर्शुन हावतम म्य मंज़ काशी ।
कऽश हंज़ रऽच़य साला करयो ।
लछनावि करयो ------ ।।

3) अमरनाथ स्वामी अमर बनावुम ।
पज़रऽचि वति म्य पकनावुम ।
सूर मति धोऽनि च्यानि हुन्द सूर मलयो ।
लछनावि करयो ------ ।।

4) यति यति छुख तोत तोत बु यिमयो ।
पादन च्यानेन लोल सग दिमयो ।
देह तह प्राण च्य बु अंपन करयो ।
लछनावि करयो ------ ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) बय्ल तह मादल वयन गुलाब च़ारयो ।
बरगह बरगह ताज़ह ताज़ह शेरि लागयो ।
गुलि गन्ड़िथ च़ेय हा बु ज़ार पार करयो ।
लछनावि करयो ------ ।।

6) ज्ञान प्रकाश दिम ध्याना बु धारयो ।
शंकर बर च़्यानि तल बु प्रारयो ।
आसनस च्यानिस मोक्तह च़्यूनि ज़रयो ।
लछनावि करयो ------ ।।

7) मनि कामना छम प्रयाग यिमयो ।
काम, क्रोध, लोभ मोह त्याग करयो ।
भावपोशन च़्ये बु माल करयो ।
लछनावि करयो ------ ।।

8) अन्त समयस म्यानि ईश्वरो ।
हयस होश थविज़यम परमेश्वरो ।
युथ बु शिव शिव शम्भू परयो ।
लछनावि करयो ------ ।।

9) कृष्ण रूप ललनोवुरव जसदाये ।
गूकल त बिन्द्राबन मथराये ।
बज़ि भावनाये गीता बु परयो ।
लछनावि करयो ------ ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

10) अयोध्याये मंज़ राम रूप आखवो ।
राज़ दशरथ सन्दि घरि ज़ाखवो ।
हरे राम, हरे कृष्ण ज़ोर ज़ोर परयो ।
लछनावि करयो ------ ।।

11) "अन्ज़ान" छस करान आरहोत अरज़ा ।
पतिमि घरि दिज़यम कम इज़ा ।
म्यानि रहभर च़्य बु लोला भरयो ।
लछनावि करयो ------ ।।

खयन खयन करान कुन नो वातख
न खायन गच्छक अहंकारी
सोमुई खेअ मालि सोमुई आसख
सोमुई खेनअ यिनय मुच़रन बरज़य्न तऽरि
(लल वाख)

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

41 – भजन

शाम रूपय रोय होवनम, अर्धरऽच़ शिवनाथ नई ।
काल र्सपञ माल लऽगिथ, लाल आव सरिशामनई।।

1) ज़लवअ हऽविथ तम्भलऽविथ ।
अर्धरऽच़ इशाननई ।
ज़ानि 'सुइ' म्य क्याज़ि रूठुम ।
ब्यूठुम म्यखाननई ।
शाम रूपय रोय ------।।

2) वऽनि म्य दिय्त कोहन तह बालन ।
छस खयालन बु तहन्दनई ।
अऽर छम कऽरमच़ म्य पानस ।
प्राऽरि प्राऽरि तस रऽच़नई ।।
शाम रूपय रोय ------।।

3) च़ूरि द्राम तरगऽब दिथ म्य ।
पय लुबमस गुऽफनई ।
छस बु फेरान थानह थानय ।
छुम बिहिथ प्यठ बालनई ।
शाम रूपय रोय ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

4) छ़ायगित करिनम हाय ।
राय रूज़म तसन्ज़ई ।
च्यानि दूरयर सूर गोमुत
म्यानेन अरमाननई ।
शाम रूपय रोय ------।।

5) श्रम म्य करुम इन्द्रियन ।
मन म्योन रूद ध्यानसई ।
दारिबर त्रुपरिथ म्य थावय्म ।
लइ पुरय्म गाशनई ।
शाम रूपय रोय ------।।

6) लोल नादा तस म्य लोयुम ।
वुज़नोवुम रऽच़नई ।
न्यामच़ थविमस ब्रोंहकनि ।
ठान तुलिथ बाननई ।
शाम रूपय रोय ------।।

7) शेह रयथ गिन्ज़न कुनिय राथा ।
लोग नह बासा रूक्मणी ।
लोल हच़य आय गूपियि ।
ग्रायि मारान जामनई ।
शाम रूपय रोय ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

8) "अन्ज़ान" तसि दिवान वोन ।
द्रयी छम जानाननई ।
दादि शम्मा ज़ोल पान ।
क्याज़ि तमि परवाननई ।

शाम रूपय रोय होवनम, अर्धरऽच शिवनाथ नई ।
काल र्सपऽ माल लऽगिथ, लाल आव सरिशामनई।।

शिव छुई थलि थलि रोज़ान
मो ज़ान भट्ट तः मुसलमान
त्रुक है छुख त पान परज़ान
सुई छय साहिबस सऽति ज़ऽनी ज़ान
(लल वाख)

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

42 – भजन

रिन्द द्राम गिन्दने ।
योर नाय आमय ।
फंद करिथ द्रामय ।
योर नाय आमय ।।

1) जसदा प्रारान, कृष्णस छ़ारान ।
गूऽरि बालकन सऽीत, वऽि वऽि द्रामहय ।
योर नाय ----------।।

2) गूपी ओश हारान, पत पत लारान ।
जमनायि बऽठि बऽठि, मुरली तान हऽय ।
योर नाय ----------।।

3) मथुराय राज़ा, ज़ुल्मुक साज़ा ।
तस नाव कन्सा, कृष्णस माम हऽय ।
योर नाय ----------।।

4) चूरि चूरि आये, राक्षस बाये ।
दोध गलि कोड़नस, पूतनाय प्राण हऽय ।
योर नाय ----------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) अरज़न दीवन, रथ पान रोटनस ।
धर्मऽक बल किञ, सहायतस द्राम हऽय ।
योर नाय ----------।।

6) दशरथ राज़ा, धर्मुक राजा ।
मन्थुना तह कैकी, खोश नाय आम हऽय ।
योर नाय ----------।।

7) रावणञ वाटिका, तोत वऽच़ सीता ।
छाँड़नि द्रायस, लक्षमण तह राम हऽय ।
योर नाय ----------।।

8) "अन्ज़ान" हऽरान, छाँड़ान भगवान ।
लोल नाद लायान, म्योन गणश्याम हऽय ।
योर नाय ----------।।

रिन्द द्राम गिन्दने ।
योर नाय आमय ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

43 – भजन

माय लऽगिथ शाम सौन्दर ।
छुम बिहिथ पानस अन्दर ।।

1) चश्म दीदन त्युथ बु वुछहन ।
युथ न नेरस ज़ाँह न्यबर ।
ज़ानि ईश्वर क्याज़ि रूज़स ।
यूत काला बेरवबर
माय लऽगिथ ---------।।

2) तिय बु प्रछ़हा शीन मतिस ।
दूर छुम शिञहस अन्दर ।
बास पृत्यक्ष दास प्रारान ।
लोल बुलगारस अन्दर ।
माय लऽगिथ ---------।।

3) बास दयुतनम वासक नागन ।
नीलकंठस पेय नज़र ।
र्सियि चन्द्रम ढ़ेकि चमकान ।
जटि गंगा तऽथि अन्दर ।
माय लऽगिथ ---------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

4) लोल विघञा तिछ़ म्य त्रावुम ।
युथ म्य बासरव तऽथि अन्दर ।
पोंश फुल्या जोश सान ।
फोज म्य मनसइ अन्दर ।
माय लऽगिथ ---------।।

5) शाम वक्तन श्याम यिरवना ।
बेयि म्य दिरवना दर्शुन ।
"अन्ज़ान" दिवान लोल सगा ।
अज़ पगाह माह यिय हर ।।
माय लऽगिथ श्याम सौन्दर ।
छुम बिहिथ पानस अन्दर ।।

शिव छुई ज़ावियुल ज़ाल वाहरऽविथ
करण्ज़न मण्ज़ छुई तऽरिथ कथ
ज़िन्दनय वुछहन अद कति मरिथ
पान मण्ज़ पान कड विच़ऽरिथ कथ
(लल वाख)

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

44 – भजन

रक्षा कर हमारी, रक्षा करने वाले ।
दया कर हम पे, दया करने वाले ।।

1) तूही जगदीश्वर, तू ही जगन्नाथ हो ।
तू ही परमेश्वर, तू ही परमनाथ हो ।
झोली भर हमारी, हे देने वाले ।
रक्षा कर हमारी ------।।

2) तू ही दयासागर, तू ही दयावान हो ।
तू ही रामेश्वर, तू ही भगवान हो ।
नैया पार कर हमारी, पार देने वाले ।
रक्षा कर हमारी ------।।

3) तुम्ही हो शंकर, तुम ही शिवनाथ हो ।
तू ही हो भयंकर, तू ही भोलेनाथ हो ।
कृपा कर हम पे, कृपा करने वाले ।
रक्षा कर हमारी ------।।

4) तेरी झटा मुकटा में, रहती है गंगा ।
गले में है वासुक, रहते हो नंगा ।
अमृत पिला दे, ज़हर पीने वाले ।
रक्षा कर हमारी ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) तू ही हो संध्या, तू ही सुबह शाम हो ।
हर हर महादेव, तेरा ही नाम है ।
अँधेरा मिटाओ रोशनी देने वाले ।
रक्षा कर हमारी ------।।

6) तू ही हो निराले, तू ही निरंकार हो ।
तू ही भमबोले, साक्षात्कार हो ।
पाप हर हमारे, पाप हरने वाले ।
रक्षा कर हमारी ------।।

7) धर्म जहाँ साथ हो, वही तेरा वास है ।
तू ही दिन रात हो, तू ही सर्वनाथ हो ।
दया की दृष्टी कर, त्रकाल दृष्टी वाले ।
रक्षा कर हमारी ------।।

8) तू ही ब्रह्मा हो, तू ही विष्णु हो ।
तू ही महेश हो, तीनो का सरूप हो ।
मुक्ति दिला दे, सृष्टी बनाने वाले ।
रक्षा कर हमारी ------।।

9) महान शिवरात्री पर, बने तुम गौरीशंकर ।
नगारे बजा कर, आये तुम सती के घर ।
बूत प्रीतों की, बारात लाने वाले ।
रक्षा कर हमारी ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

45 – भजन

रोज़ रोज़ बोज़ म्यऽनि ज़ार कृष्णो ।
म्यानि घरि दारु अवतार कृष्णो ।।

1) देवकी ज़ारवो, जसदाय आरवो ।
गूकल छोवथ लोकचार कृष्णो ।
रोज़ रोज़ बोज़ ------।।

2) कअदरवान यल गय, ड़ीड़वअनि व्यस्मर पेय
वासदीवस लोग कोलह तार कृष्णो ।
रोज़ रोज़ बोज़ ------।।

3) जसदा भाग्यवान यस मयूल भगवान ।
अऽस मंज़ होवथस संसार कृष्णो ।
रोज़ रोज़ बोज़ ------।।

4) क्या जान वेला, बुछिन बाल लीला ।
तस माज्य जय जयकार कृष्णो ।
रोज़ रोज़ बोज़ ------।।

5) संग बालयारन, बेइ गूरिबालकन ।
मंज़ आलमस शूभिदार कृष्णो ।
रोज़ रोज़ बोज़ ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

6) शुराह सास अरव हथ बेइ आसय आऽठ ।
रासा गिन्दुरव यरवबार कृष्णो ।
रोज़ रोज़ बोज़ ------।।

7) कृष्ण भगवान सोन मन मोहन म्योन ।
राधाय हँदि मदनवार कृष्णो ।
रोज़ रोज़ बोज़ ------।।

8) बिन्द्रावन द्रारवो, मथरायि आरवो ।
कंसस कोरथा सम्हार कृष्णो ।
रोज़ रोज़ बोज़ ------।।

9) गूपी छारने लजि पान मारने ।
आशकन हन्दि बेआर कृष्णो ।
रोज़ रोज़ बोज़ ------।।

10) सपदअविथ लोकचार मानराविथ बालयार ।
संसार कोरथा व्यवहार कृष्णो ।
रोज़ रोज़ बोज़ ------।।

11) कोरवन त पांड़वन कोरुक्षेत्रस मंज़ ।
दुर्योधनस वोलुथ अंहकार कृष्णो ।
रोज़ रोज़ बोज़ ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

12) द्रौपदी सभाय मंज़ कोर यलि च़्योन ज़ुऽन ।
तमी विज़ि होवुथ चमत्कार कृष्णो ।
रोज़ रोज़ बोज़ ------।।

13) मुरली च्यानि सअति बेमार बल बु ।
म्यानि विज़ि लोगुथ बेआर कृष्णो ।
रोज़ रोज़ बोज़ ------।।

14) रूप च्योन सौन्दर रोटमोरव म्य अन्दर ।
"अन्ज़ानस" कास अन्धकार कृष्णो ।
रोज़ रोज़ बोज़ ------।।

वुछान बु छस सऽरसइ अन्दर
वुछुम प्रज़लान सऽरसइ मण्ज़
बूज़िथ तः रूज़िथ वुछ हरस
घर छुई तसन्दुई बु कऽोस लल।
(लल वारव)

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

46 – भजन

वला म्यानि कृष्ण गूपालो लो लो ।
म्य करिमय कोसमन मालय लो लो ।
म्य भरिमय दोध हर प्यालय लो लो ।।

1) शाम रंग छुरव चइ श्याम सौन्दर ।
जसदायि नाव थोवनय कृष्ण गौन्दर ।
देवकी हन्दि रवान–मालियो लो लो ।
वला म्यानि कृष्ण ------।।

2) शूभान क्या छिय कनन कनवअलि ।
गूपियन कोरुथ दिल वुबअलि ।
जामन तिम दिवान ढ़ालय लो लो ।
वला म्यानि कृष्ण ------।।

3) शुराह सास बेइ अरव हथ त अऽठ ।
कन्यायि कृष्णस आशक गऽस ।
वरण आखा राधाय लो लो ।
वला म्यानि कृष्ण ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

4) जसदाय माजि हन्दि थनि चूरो ।
मंज़लिस कोरनय गूर गूरो ।
मुक्ट क्या गोन्ड़नय कृपालय लो लो ।
वला म्यानि कृष्ण ------।।

5) देवकी तह वासदेव कअद मंज़ त्राविथ ।
कँस सन्दि ज़ुल्म निश मोकलाविथ ।
राज ताज कोरथक हवालय लो लो ।
वला म्यानि कृष्ण ------।।

6) राधाय पजि दिल चअनी आऽस माय ।
मनि मंदरस मंज़ करथस चे जाय ।
गूपी आसह दिवान नालय लो लो ।
वला म्यानि कृष्ण ------।।

7) द्वारिका पूरी मंज़ कोरथ राजा ।
वअनि बोजतो तेलि म्योन साज़ा ।
अन्ज़ान छसय बु हवालय लो लो ।
वला म्यानि कृष्ण ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

47 – भजन

वनान ओस वीर हनूमान ।
सअरी परितव राम राम ।।

1) श्री राम छु स्यठा म्यूठ ।
अमिस हियुव कांह न म्य डयूँठ ।
चावान छु सु मूक्षय दाम ।
सअरी परितव ---------।।

2) राम जीयस मन आरी ।
वलह करहोस ज़ारी ।
गुलि गंड़िथ करहोस प्रणाम ।
सअरी परितव ---------।।

3) मनथना अऽस मनहूस ।
तमि तुल राज़ धरस फूट ।
खऽरन पानस हान ।
सअरी परितव ---------।।

4) गव दशरथस वसवास
राम सोज़हन न वनवास
कैकी कऽम अनि अँजाम
सअरी परितव ---------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) दोपनस स्वामी वाद कर पूर ।
राम सोज़ुन वन दूर ।
अद यियम आराम ।
सअरी परितव ---------।।

6) दशरथ गव मजबूर ।
अछव तल राम गोस दूर ।
अयोध्या लज्जा सुनसान ।
सअरी परितव ---------।।

7) यलि द्राव राम वनवास ।
पत पत द्रास लूक सास ।
तिम अऽसि ओश हारान ।
सअरी परितव ---------।।

8) माता जानकी नमस्कार ।
त्री द्राय सोय वफादार ।
क्रूठ पयव तस सफरनाम ।
सअरी परितव ---------।।

9) राज़ दशरथस ओस तमह ।
आस न मगर केंह जमह ।
चाक दिथ चऽटि तऽमि जाम ।
सअरी परितव ---------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

10) तमि यछाव राम राजे ।
खोश आस नह वोर माजे ।
वऽदि वऽदि त्राविन प्राण ।
सअरी परितव ---------।।

11) कैकी हँज़ बेवफाई ।
मअलि पत्रन गय जुदाई ।
हसरत अऽसि करान तमाम ।
सअरी परितव ---------।।

12) दशरथन खयोव अफसूस ।
पानस सपदयोस सूर ।
राम राम ओस करान ।
सअरी परितव ---------।।

13) दोरव सपुद कोशल्याये ।
बु मा गछह चे रोस ज़ाये ।
आदनकिह म्यानि संतान ।
सअरी परितव ---------।।

14) भगवान संज़ लीला ।
रचिन क्या तऽमि खेला ।
लूक गयिह तति हऽरान ।
सअरी परितव ---------।।

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

15) जंगलन आऽसि फेरान ।
लक्षमण तह सीता राम ।
लक्षमण पहरअ दिवान ।
सअरी परितव ---------- ।।

16) शापन यलि कोर ज़ोर ।
रावुण पयव वातिथ तोर ।
सूपनखाय कोर बहान ।
सअरी परितव ---------- ।।

17) साधू लोग रावणन ।
माता सीता करअन हरण ।
राम-लक्षमण द्राय छांड़ान ।
सअरी परितव ---------- ।।

18) हनूमान वोत वटिकाय ।
नमस्कार कोरुन माताय ।
वअज पिलनअवनस निशान ।
सअरी परितव ---------- ।।

19) नमस्कार हनूमानस ।
श्री राम टोठयोव तअस ।
लंकाय कोरन फान ।
सअरी परितव ---------- ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

20) रावणस ओस अभिमान ।
तीर सऽत कोड़नस जान ।
मरनअ विज़ि दोपनस हे राम ।
सअरी परितव ---------।।

21) भरत यलि दोरान आव ।
थवन तख्तस राम सन्ज़ ख्राव ।
सु भोय कोताह ओस जान ।
सअरी परितव ---------।।

22) भोय आसिन लक्षमणस हियुव ।
हर विज़ि युस दिय ज़ुव ।
पत द्रास हय्थ तीर कमान ।
सअरी परितव ---------।।

23) "अन्ज़ानस" दिम ज्ञान ।
बु तिह परहा राम राम ।
द्येव लब़ बु तिह भगवान ।
सअरी परितव ---------।।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Jammu Collection. Digitized by eGangotri

48 – भजन

दुःख भरी इस दासी का ।
ज़रा सा मान लीजिए ।
क्या बीती है मुझ पे ।
थोड़ा सा जान लीजिए ।।

1) बीती है उमर अब मुझे ।
तुझे ही याद करके ।
गुज़रा है इक इक पल ।
तेरा ही नाम लेके ।
छोड़ो भी रोश अब ।
ज़रा सा ध्यान दीजिए ।
दुःख भरी इस ---------।।

2) फरियाद करने जब कभी ।
आई में तेरे ही द्वार ।
जो कुछ भी जान लियो ।
करलो मुझ पे उद्धार ।
कर दो सितम बन्द अब ।
दर्शन मुझे अब दीजिए
दुःख भरी इस ---------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

3) मुरझा गई हूँ मैं अब ।
पतझड़ के पतों की तरह ।
खामोश बन बैठे हो ।
तमाशाइयों की तरह ।
डूबती मेरी नैया को अब ।
पार भी लगा दीजिए ।
दुःख भरी इस --------।।

4) तेरे सांवले रंग पे मैं ।
हो गई हूँ दीवानी ।
सामने होते हुए भी ।
करते हो क्यों परेशानी ।
मुस्कराते हुए जैसे
होंठ हिला भी दीजिए ।
दुःख भरी इस --------।।

5) दिल के अरमानो की ।
अब अर्थी निकल गई ।
देखते ही देखते ।
जवानी मेरी ढ़ल गई ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

बुढ़ापा आने लगा अब
इन्साफ भी कीजिए
दुःख भरी इस --------।।

6) फरमा रहे हो आराम ।
मेरा चैन लुटा के ।
अहसान कर मुझ पे ।
जलवा अपना दिखा के ।
तरसाना बन्द कर लो ।
माफ भी अब कीजिए ।
दुःख भरी इस --------।।

7) लिख रही हूँ तेरे नाम ।
मैं जो ठहरी "अन्ज़ान" ।
क्षमा करो मुझ पे ।
कलम मेरा है नादान ।
जाने क्या लिख दिया ।
खुद ही जान लीजिए ।
दुःख भरी इस दासी का ।
ज़रा सा मान लीजिए ।

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

49 – गज़ल

ए म्यानि दिल–ए–जान ।
च़्य कर याद पेमय बअ ।
रटिमय म्य–पाद ।
च़्य कर याद पेमय बअ ।।

1) मऽरिमन्द तम्य दिल भरन ।
ओडुइ रोय होवनम ।
लूसऽस दिवान नाद ।
च़्य कर याद–––––––––।।

2) दिल म्योन तम्बलाविथ ।
खयाल वर्ग लाविथ ।
ज़ाञिथस बु सादह ।
च़्य कर याद–––––––––।।

3) बोम्बरो यम्बरज़ोल ।
ज़न छस नारवुज़मल ।
मशरोवथम च़्य वादह ।
च़्य कर याद–––––––––।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

4) परिनि छानिथ पनुन पान ।
कोरुम पानस नुक्सान ।
लोकचार गोम बरबाद
च़्य कर याद-------।।

5) लेदर पेयम दोध पानस ।
याद रूद न जानानस ।
ज़ुल्म क़ोरथम ज़्याद ।
च़्य क़र याद-------।।

6) तकसीर खोतुम पानसई ।
सूर गोम अरमानसई ।
एतिबारस लोगुम दाग ।
च़्य कर याद-------।।

7) कोदरत संजइ कोदरथा ।
दिलस छम तसन्ज़ सथा ।
नालय बु फरियाद ।
च़्य कर याद-------।।

8) परखावनय तथ वान सई ।
सौदा कोरुम अन्ज़ान सई ।
हाय व्यसि करतन आमाद ।
च़्य कर याद-------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

9) लाल छोंडुम सुबहू शाम।
शहर शहर गाम गाम ।
अमा यिय कर शहज़ाद ।
च़्य कर याद-------।।

8) ध्यव लबस वोञ रऽच़ वथा ।
यलि करख तसन्ज़ कथा ।
"अन्ज़ान" गछह आबाद ।
च़्य कर याद-------।।

अन्दरह न्यबरह हिवुई बन ।
शुद्ध तह सूच थव मन ।।
लूक कथन मह थव कन ।
श्रम कर च़ह इन्द्रियन ।।
अन्ज़ान वनान रऽति गुऽण

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

50 – गज़ल

बे आर यार च़्य बु मार करथअस ।
अमार छुम च्योन गिरिफतार करथअस ।।

1) महशोक छस बु च़्य प्यठ दीवान वला बोज़
आशक बेपरवाय छसय सानि वला रोज़ ।
आदनय अद क्याज़ि यार तम्बलावथअस ।
बे आर यार च़्य ---------।।

2) गुला अरव बिहिथ छुरव, बुलबुलन मंज़ ।
बुलबुला बु प्रारान, करसह म्योन संज़ ।
मदनवार यार मुसमार कर–थअस ।
बे आर यार च़्य ---------।।

3) करसह म्योन वादह पूर, पेसह पायेस ।
नतह करय बु खोदकशी, ज़न न ज़ायेस ।
दिलदार यार च़्य बु हारनावथअस ।
बे आर यार च़्य ---------।।

4) यिवनय बु माजि पननि, क्याज़ि ज़ायेस ।
योर यिथ गमव सऽतयन, वलनह आयेस ।
ज़ार पार च़्य बु यारह करनावथअस ।
बे आर यार च़्य ---------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

5) दिलभरो दिलस त्राव, यल वअनि दअर ।
लोलुक निशान म्योन, छुई तऽथि अन्दर ।
क्रेंजिलि पोज़ च़्य बु यारह पाज़–नावथअस।

बे आर यार च़्य बु मार करथअस ।
अमार छुम च्योन गिरिफतार करथअस ।।

संगर मालन सुबहू दम,
सूहंसू तस कुन नय्म।
अद ध्य्व थवि 'दय' कन,
नरस मंज़ छुइ नारायण।
"अन्ज़ान"

CC-0. Gurudev Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

51 – गज़ल

क्या सपुद तस बालयारस ।
सूर कोरनम लोक – चारस ।।

1) कति सना ब्यूठ वति छ़ारन ।
प्रछ़ गअर तहन्देन यारन ।
बे आरन मशरावनऽस ।
सूर कोरनम – – – – – – ।।

2) गिन्दान ओसुम मंज़ आरन ।
खबर छा कोनह छुम वोज़ गारन ।
मंज़ वति प्यठ तति त्रावनऽस ।
सूर कोरनम – – – – – – ।।

3) तबर लाइथ तबरदारन ।
जबर कोरनम ज़ुल्म – गारन ।
थरि हँज़ पोश – बर करनऽस ।
सूर कोरनम – – – – – – ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

4) बुलबुल आसिथ दिल ज़ोलनम ।
होल कोरनम तऽमि लोल नारन ।
अऽलि करिनम यथ लोल बदनऽस ।
सूर कोरनम------।।

5) मालह करिमस सौन कोस्मन ।
चूनि जरिमस मोक्तहारन ।
वनान "अन्ज़ान" नअलि त्रावहऽस ।
सूर कोरनम------।।

नेह तह रऽच़ रावरावव
कल तह कऽर नेमरावव
मोह तह माया यती त्रावव
अँह तह क्रोध नेंद्रि सावव
अन्तः करन 'तस' सऽथ थावव
लोल नादा 'दयस' लायव
"अन्ज़ान" दिवान तिमय भारव

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

52 – गज़ल

वलो दिलभर म्याने, अज़ रोज़तो साने ।

1) नाद छसयो लायान, वनि छुखनो यिवान ।
बलय दीदार चाने, अज़ रोज़तो साने ।।

2) बाल छसयो प्रारान, चेइ सअति छुमा यारान
तोलनावथसा वाने, अज़ रोज़तो साने ।।

3) प्रारान छसय बुलबुल,बहारन मंज़ यितो गुल
कऽरथसा बे माने, अज़ रोज़तो साने ।।

4)कमि बागुक छुख पोश,मुश्क च्यानि डलिमा होश
भागवानई यि ज़ाने, अज़ रोज़तो साने ।।

5) जानि अज़ीज़ा हो, वजिस च्यानि माये बो ।
लजिस बु लूक पामे, अज़ रोज़तो साने ।।

6) लअल छसयो प्रारान, वतन च्यानेन गारान ।
वलो मजलून म्याने, अज़ रोज़तो साने ।।

7) शीरीन दिवान नालय, छसय बु कमि हालय ।
फ़रहाद यिखना वन्ने, अज़ रोज़तो साने ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

8) सोंतस मंज़ हवा, दादेन म्यानेन दवा
दोद म्योन कुस ज़ाने, अज़ रोज़तो साने ।।

9) अन्ज़ान छस दिवान वोन, कुनि छुनअ जानान नोऽन
हुसुन म्योन मासह प्राने, अज़ रोज़तो साने ।।

दोह लूसुम पकान पकान
वँऽस आयम छ़ोटान छ़ोटान
कुनिकेंह ड़यूंठुम न वुनियुक्ताम
अकि दोह प्रछ़ाम कसताम
कूता दूर छु "तस" ताम
तऽमि वोननम तोरअ च़ह ज़ान
वुनि छरव आछरुइ कतान
मन अन्दरिय सोचान "अन्जान"
कऽच़ा छस बु नादान।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

53 – गज़ल

लोकचार याद प्योम, हा म्यानि लोकचारो वलो ।
बेयि यिता अकि लटि, हा म्यानि बालयारो वलो ।।

1) बेहमहा तिमन कोलड़ंजनई ।
मुश्का हेमहा तिमन पोशलंज़नई ।
अछ हा दर लजय्म हा म्यानि बेआरो वलो ।
बेयि यिता अकि लटि ------।।

2) छावहा तमी बादाम बागऽच फुलयाह ।
वुछहा विरकुम त टेकबटऽन हुन्द हुलिया ।
गुलिस्तानकि हा म्यानि गुलज़ारो वलो ।
बेयि यिता अकि लटि ------।।

3) तमी महादेव के शीन यखो ।
मयानेव अछव तल क्याज़ि दूर गोरवो ।
हारवन के हा म्यानि बोनि शेहजारो वलो ।
बेयि यिता अकि लटि ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

4) चकराह करहा बागि शालमारस ।
बेहना करहा ततिकिस सब्ज़ारस ।
निशात के हा म्यानि आबशारो वलो ।
बेयि यिता अकि लटि -----।।

5) कर लगि बेयि तति प्रोनुइ मेला ।
ड़लस करहा बेयि नावि सअला ।
चार चिनार कोतरखान, दितमो तारो वलो ।
बेयि यिता अकि लटि -----।।

6) ब्रोंह छुई शंकर पत मुखदिम सअब ।
प्यठ पंबतस मअज शारिका रोबरू ।
दरगाह के हा म्यानि, सरदारो वलो ।
बेयि यिता अकि लटि -----।।

7) अछवल त कोकरनाग सअति सअति बोनि बाग
चेरह पोश छावान गछ़हा वेरनाग ।
नाद छसय लायान, हा म्यानि नागरादो वलो ।
बेयि यिता अकि लटि -----।।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection. Digitized by eGangotri

8) पहलगाम करताम यलि वछ़स नेंद्रे ।
वुनिति याद छुम त्रेश चेयम लयदरे ।
तमि दरयावके हा म्यानि, रफतारो वलो ।
बेयि यिता अकि लटि -----।।

9) टंग-मंगि प्यठ गुलर्मग ताज़ ।
मंज़ वति तति बाबा ऋषि आम ।
गुलमर्गि के हा म्यानि गुलज़ारो वलो ।
बेयि यिता अकि लटि -----।।

10) दोदुम म्य यति ताप सऽतयन बदन ।
अमाह कोत सनाह गोम सु पनुन वतन ।
"अन्ज़ान" छाँड़ान हा म्यानि वतन दारो वलो।
बेयि यिता अकि लटि हा म्यानि बालयारो वलो
लोकचार याद प्योम, हा म्यानि लोकचारो वलो
बेयि यिता अकि लटि -----।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

54 – गज़ल

मयऽन द्री हसह छय हे ।
तलसह मेय निश बेह ।।

1) वलह अऽसि गछव निशात ।
तती करव कथ बात ।
जिगर म्योन अद फोलहे ।
मयऽन द्री हसह --------।।

1) फिरान अऽसस बु च्योनई ।
मलाल क्या रोटुथ म्योनई ।
दूर दूर हयोतथम चे़ ।
मयऽन द्री हसह --------।।

3) च़ छुख म्यानि बागुक गुल ।
तोशान छस बु बुल–बुल ।
रंग छुई सूटस ग्रे ।
मयऽन द्री हसह --------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

4) तिम दोह करसह याद ।
कोर यलि च़यत म्य वादह ।
वादह मसह मशराव हे ।
मयऽन द्री हसह --------||

5) नशह क्या छुई खोतमुत ।
किमाम क्या छुई रोटमुत ।
कथ सह प्यठ छय तेह ।
मयऽन द्री हसह --------||

सऽोख शब्दाह ज़ेवि कड़व,
संतोष ब्योल सोन्त व्वव।
माय बोरुत सग दिमव,
सऽोख मऽोख हरदह लोनव।
आनन्द फल अद चेनव,
दय संज़ वथ मायि मेनव ।

"अन्ज़ान"

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

55 – गीत

यि छु वरवतुक रफतार ।
जानान गछ़ बेदार ।।

1) चार कर मऽलिस, मअज थवुन अऽलिस ।
यिम छि लागान अलिश, हुकुम करान खऽलिस
लोतिय रोज़व नफर तार ।
जानान गछ़ ----------।।

2) द्रुई दरकाकअनि छिय फज़ूल ।
यिम छि आसान च़टान मूल ।
अरव छु कूर अरव छु वूल ।
च़ूरि खेवान कोकर ठूल ।
नाहकय खोतमुत म्य भार ।
जानान गछ़ ----------।।

3) ज़ाम ज़ामी अनान ग्यूर ।
यिम छि बेहत्तर थवअनि दूर ।
यलि गछ़व ज़ाँह मजबूर ।
तमि सातह गछ़व असी तूरि ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

तती बेहमहोरव दोह तार ।

जानान गछ़ ----------।।

4) पोफ हश तह मास हश ।

यिम अनान सारिसइ फश ।

र्सिफ आसान त्रावान वोश ।

ज़न छुरव आसान आमुत गश ।

यिम कथ सह लगन बकार ।

जानान गछ़ ----------।।

5) जानान रोज़ुम ओऽुर ।

मसह वन च़ोचि़ वोर ।

तमि सऽत बासरव गाम रवोऽर ।

मार्ड़न छुइ होहवुऽरि दोऽर ।

घरि घरि यिनय बकार ।

जानान गछ़ ----------।।

6) जानान रोवुइ क्याह ।

होहवुऽर दोर तह होहवुऽर क्याह ।

होवअरिबाइ त हहर वाह ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

साल साजिव ज़न फिज़ाह ।
ममी ड़ैडी अनुम दोह तार ।
जानान गछ़ ----------।।

7) मूजूद रूज़िनय होहवुअरिबाइ ।
यि छय आमच़ पअछ़ बाई ।
तलसह लाग ज़अ कप चाय ।
तमि पतह कड़रव पलवन ग्राय ।
प्रेस करिज़ेरव वारअ वार ।
जानान गछ़ ----------।।

8) दोपमय हसह योरकुन फेर ।
बाईगाड़ म्य गव च़्येर ।
सुब प्यठ मोंडुम अऽट सेर ।
बेहत्तर छु फाकय नेर ।
म्य छु करुन पानस सिंगार ।
जानान गछ़ ----------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

56 – शार

हँग मँग तंग गयि भट्ट बिचाऽरि ।
बे आरव मारिख च़अरि चअरि ।।

1) यलि कशीर मंज़ च़ायि तिम च़ूर ।
मंज़ बाग बटन ओनुख गयूर ।
नल नरव फुटरिथ करिख अड़मअरि ।
बे आरव मारिख – – – – – ।।

2) आज़ादी हुँद नऽरह यलि गव ।
अड़आम्यव ति तुजहय दव ।
केंह आऽसि कऽलि त केंह अऽसि चअरि ।
बे आरव मारिख – – – – – ।।

3) कनन यलि गोरव अलाहू अकबर ।
मशीदन मंज़ च़ायि बटन वछ़ थर ।
ना वक्तन अऽस फांगान ब्रअर ।
बे आरव मारिख – – – – – ।।

4) ऐलान सपदयोव मशीदन मंज़ ।
म करिव रअछ भट मकानन ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

चूरन मोकअ मयूल करनस-छ़अर ।
बे आरव मारिख -----।।

5) मुजाहिदव कोरमुत ओस ऐलान ।
युस करि मखालफत तस कडव जान ।
बहानह बनावनस लजिख न तअर ।
बे आरव मारिख -----।।

6) कलाशनकोव वअति शहरन त गामन ।
मिटिंग करयख सुबहन तह शामन ।
अज़ कुस छु मारुन तह कस थवव वअरि ।
बे आरव मारिख -----।।

7) बट यलि खारिख हिट लिस्टन ।
मुजाहिद बनिथ आई तिम मिलटनट ।
पननयवयी दोस्तव माअरि चअरि चअरि ।
बे आरव मारिख -----।।

8) सारिनइ जायन कोरूख ऐलान ।
जहाद करुन छु स्यठाह जान ।
बुज़र्गन बोलनस दिच़ख नह वअर ।
बे आरव मारिख -----।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

9) आज़ादी हुँद ओसुरव जनून ।
लूट मार कोरुरव कुनि नह कोनून ।
प्राटिक सेरि त बेइ नलकअ नअरि ।
बे आरव मारिरव ------।।

10) गोलि यलि बरयरव बंदूकन मंज़ ।
केंचव कोर च़लनुक संज़ ।
अँद वातनाविरव कम गुलज़अरि ।
बे आरव मारिरव ------।।

11) ज़ानन तिमय यिमन गुदरिथ आव ।
कल प्यठि बिचारयन आरव सहलाब ।
यिरवनि नावि मंज़ बअटअ बिचाअरि ।
बे आरव मारिरव ------।।

12) मालिस तह माजि तस क्या गोव ।
यसन्दिस लायिरव कलाशिनकोव ।
च़लनस करहरव यलि छांबअर ।
बे आरव मारिरव ------।।

13) चिट्ठ येलि सूज़रव घरवालय्न ।
घर करिव रवअलि मंज़ घन्टन ।
अज़ि घटि मंज़ पेयरव बाम्बअर ।
बे आरव मारिरव ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

14) घरवअलि कोरिमअलि गयि वुबअलि ।
गऽवन त्रावेरव पोशमाल नअलि ।
ओश अऽस हारान ज़न वनहऽर
बे आरव मारिरव -----।।

15) पाकिस्तानुक ओसुरव आर्डर ।
ज़ालिव स्कूल तह बेइ दफतर ।
फेरान हालि हैरान दरबदअर ।
— बे आरव मारिरव -----।।

16) वुम्बरिहुँद बनाविथ घर सजाविथ ।
मारवातलन हंज़ वारनिंग बूज़िथ ।
फुटजि गनजरव अनिगटि र्साय-र्साय ।
बे आरव मारिरव -----।।

17) यतीमन मऽसमन वोथ हाहाकार ।
मोंड़न मिस्कीनन गव घटकार ।
आँगन बरन ति थविरव तऽर्य ।
बे आरव मारिरव -----।।

18) अड़वति ट्रकि मंज़ वालिरव बोन ।
तलाशी करहरव तिमन जंदन ।
वुछुरव यि ति दितुरव बोन दार्य दार्य ।
बे आरव मारिरव -----।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

19) बानहालि यपारि फ्रख त्रोवुख ।
भगवानस पान पुशरोवुख ।
भगवान लगहोय च़े पार्य–पार्य ।
बे आरव मारिख ------।।

20) यि केंछ़ाह अनुख ति येतिह कुनुख ।
सअति हेथ हटयुक तह बेइ कनुक ।
गीरनाव आयेख ढ़ेरअ छ़ार्य छ़ार्य ।
बे आरव मारिख ------।।

21) गवरनर सऽबन जगमोहनन ।
हूरिथ हेकहोस नह त्रेन ज़न्मन ।
त्रेश पोज़ थोवनख जऽरि जऽरि ।
बे आरव मारिख ------।।

22) केंह खेयि र्गमन तह केंह र्सपव ।
केंहन गव हेह तह केंह खेयि गमव ।
खाम छुम अयाल तय छुस गोबि बार्य ।
बे आरव मारिख ------।।

23) केंहन गव त्रोन तय केंह द्राइ बयोन ।
मंज़ बाग अऽसि बटअ द्राइ येति नअनि ।
कुलयन ज़न लजिमऽच़ हरद बेमअरि ।
बे आरव मारिख ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

24) जेमकेव ज़ोल तमि खोत तालयुन ।
दोपहोरव तती गोछ़ वेतरावुन ।
कति छिव न्यथनऽनि बेइ ननवार्य ।
बे आरव मारिख -----।।

25) अज़ या पगाह मा सना गछव घरह ।
प्रारान प्रारान वरिय बाहमर ।
सोंचान सोंचान गइ अडमअरि ।
बे आरव मारिख -----।।

26) त्रयन तह त्रुवहन बटह गअमित ।
खाकस प्यठ पत्थर प्येमित ।
लगहा पननि बागअचि बोट चअरि ।
बे आरव मारिख -----।।

27) बागि महताब बनावयोम घर ।
फरागत सान बेहियय "रतना दर" ।
"अन्ज़ान" अऽसस गव हेर फेर ।
बे आरव मअरि चअरि चअरि ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

57 – शार

बूज़िव बु वनहोव नमतअकि शार ।
सन ओस 89 बटन गइ लार ।।

1) फोतिह तल ज़न द्राई केंह नौजवान ।
ट्रेंनिग करनि गय तिम पाकिस्तान ।
कलाशन कोव तोरअ अनिरव अम्बार ।
सन ओस 89 ------।।

2) जायि जायि कररव बरबादी ।
तिमव दोप असि गछ़ि आज़ादी ।
बहानअ आज़ादी कोरूरव लूटमार ।
सन ओस 89 ------।।

3) केंह च़अलि केंच़व दित तति प्राण ।
केंचव धन दिथ बचोवुरव जान ।
ग्रिनेड फाटनाविरव बेशुमार ।
सन ओस 89 ------।।

4) बटअ मकानन यलि कोरूरव लूठ ।
कुनि केंह त्रोवुरव नह कोरूरव तति ब्यूठ ।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

त्रामह मअचि़ बेई प्रऽटरव बिजली तार ।
सन ओस 89 ------ ।।

5) बटन दोप बटजे वोथ च़लव ।
तऽमि दोपुस तोर अऽसि कति पलव ।
शुर बअच़ हय्थ गछ़व वति प्यठ मार ।
सन ओस 89 ------ ।।

6) दारि भर सुलि सुलि आऽसि त्रोपरान ।
अनिगटि च़ूरि च़ूरि वोश त्रावान ।
कुस छु सोन तय कस वनव ज़ार ।
सन ओस 89 ------ ।।

7) अकि दोह क्या गव अरव बजे रात ।
ब्रांदस प्यठ गइ कनन कथ बात ।
शायद अमि दोह अऽस बटवार ।
सन ओस 89 ------ ।।

8) खूचि़ खूचि़ बट वोथ मुच़रन दअर ।
नज़र यलि पेयस ज़न फुटऽस कअर ।
ब्रांदस प्यठ आऽसय बन्दूक बरदार ।
सन ओस 89 ------ ।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

9) टासरारय करहरव दरवाज़न ।
दिल हय्थ मोछि मंज़ बट वोथ बोन ।
यिनह दिरव क्रव तह छुइ खबरदार ।
सन ओस 89 -----।।

10) दोपहोस बटा अऽसि छिय मेहमान ।
कर असि खातिर ति छुइ जान ।
माज़ बतह खय्थ गई तिम खूँरवार ।
सन ओस 89 -----।।

11) नाद दिथ ओनुरव ब्रोंठ कुन मालिक ।
यि केंछ़ाह छुइ ति दि बोऽन वालिथ ।
खय्थ चयथ कोरहोरव तोति लूठमार ।
सन ओस 89 -----।।

12) बटन कऽर हय्मथा कोरनरव वाद ।
दोपनरव खय्थ चय्थ रुदुव नह याद ।
पोत फीरिथ कोरहस गोलि बूछार ।
सन ओस 89 -----।।

13) बुलबुल अरव वुछुऽम गुलि मूरान ।
गुलस तस ब्रोंठ कनि दम सोरान ।
बढ़ि वदनस ति ओसुस न वार ।
सन ओस 89 -----।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

14) शुरेन बिचारेन वछ़रव थर-थर ।
ममी ड़ैड़ियुन कौन गोरव ज़र-ज़र ।
वोथ च़लव वुनि यिम यिनय दुबार ।
सन ओस 89 ------।।

15) दोहय अऽसि बोज़ान युथइ कहर ।
फऽलयोमुत ओसं ज़न ज़हर ।
Kidnapping गइ लगातार ।
सन ओस 89 ------।।

16) कम-कम नियरव राथकयुथ रटिथ ।
रय्तह वादय थविरव तिम रवटिथ ।
केंचन लायरव गोली आर-पार ।
सन ओस 89 ------।।

17) केंह बटह यिम फसेइ कशीर मंज़ ।
तिमव अपनोवमुत तिहुन्दुई रंग ।
कलन प्यठ दजि तह फयरन शिलवार ।
सन ओस 89 ------।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

18) तिथुई असर प्येव यतिकयन बटन ।
असति छिइ रटिमित फैशन त्रटन ।
दोति गइ नायाब सूट बेशुमार ।
सन ओस 89 ------।।

19) हकूमत सरासर अऽस जऽली ।
बटन पेइ करज़ कशीर खऽली ।
"अन्ज़ान" वनान छ़ेवि कर यि नार ।
बूज़िव बु वनहोव नमतअकि शार ।
सन ओस 89 बटन गई लार ।।

गाहे सुबहन गाहे शामन,
इरादय तसन्दि छस प्रारन ।
अमाँ कर सना लबन,
"अन्ज़ान" गऽमच त्रेन तह त्रुवहन।।

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

लोल नाद

स्व० अर्जन नाथ रैना - स्व० तुल्सी रैना

हरमैन (शोपयान कशमीर)

मिलने का पता

"पुष्कर भवन"

309-B, सेक्टर-1, दुर्गानगर (बनतालाब), जम्मू

दूरभाष: 592156, 595817

CC-0. Bhushan Lal Kaul Jammu Collection. Digitized by eGangotri

Printed by:
DURGA PRINTING PRESS
Old Janipur, Jammu, Ph.: 539863, 533456